

सुरक्षा बनती हैं।

की धारा 153 के तहत अपराध क्रमांक 325/2026 दर्ज किया गया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। जांच के दौरान घटना की सीटीक गणना पत्थरबाजी में शामिल व्यक्ति और घटना के कारणों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। ट्रेनों पर पत्थर फेंकने की घटनाएँ इससे पहले भी सामने आती रही हैं। चलती ट्रेन पर पत्थर फेंकने से खिड़कियों के शीशे टूटने के साथ यात्रियों के घायल होने का खतरा रहता है। रेलवे सुरक्षा एजेंसियाँ ऐसे मामलों में संवेदनशील रेल सेक्शनों और आसपास के इलाकों में निगरानी बढ़ाने के साथ स्थानीय स्तर पर भी जांचकारि जुटा रही हैं। रेलवे पुलिस का कहना है कि मामले में आगे की जांच जारी है और घटना की सही जगह का पता लगाकर जिम्मेदार व्यक्ति तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है। जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।



वंदे मातरम् के सामूहिक गायन ने बनाया विश्व रिकॉर्ड



जबलपुर, यश भारत।

विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के मार्गदर्शन में आयोजित 'नमामि भारत' अभियान के तहत देशभर में एक करोड़ से अधिक भैया-बहनों, अभिभावकों और पूर्व छात्रों ने एक साथ वंदे मातरम् का सामूहिक गायन कर विश्व रिकॉर्ड बनाया। निर्धारित समय सुबह 11 बजे देशभर के प्रतिभागियों ने एक स्वर, एक लय और एक ताल में वंदे मातरम् की संपूर्ण प्रस्तुति दी। इस दौरान देशभक्ति का वातावरण देखने को मिला। कार्यक्रम के तहत महाकौशल प्रांत में नगरीय, ग्रामीण, जनजातीय, सेवा क्षेत्र तथा औपचारिक-अनौपचारिक शिक्षा से जुड़े कुल 1351 स्थानों पर एक साथ वंदे मातरम् का गायन किया गया। जबलपुर में मुख्य कार्यक्रम सरस्वती शिक्षा परिषद द्वारा सिविक

सेंटर स्थित वंदे मातरम् चौक पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उद्योगपति कैलाश गुप्ता मुख्य अतिथि रहे। अध्यक्षता सरस्वती शिक्षा परिषद के प्रादेशिक सचिव डॉ. सुधीर अग्रवाल ने की। कार्यक्रम के पर्यवेक्षक एवं प्रांत कोषाध्यक्ष विष्णुकांत ठाकुर भी मौजूद रहे। सरस्वती शिशु मंदिर गढ़ा फटक के भैया-बहनों ने विद्यालय से वंदे मातरम् चौक तक घोष दल के साथ 'वंदे मातरम् यात्रा' निकाली। यात्रा में बड़ी संख्या में विद्यार्थी शामिल हुए। वंदे मातरम् चौक पहुंचने के बाद सभी ने सामूहिक रूप से राष्ट्रगीत की संपूर्ण प्रस्तुति की। कार्यक्रम का संचालन विभाग समन्वयक कमलेश अग्रहरि ने किया, जबकि आभार गढ़ा फटक विद्यालय के व्यवस्थापक डॉ. नीलेश पांडेय ने व्यक्त किया।

पं. दीनदयाल उपाध्याय जयंती पर भाजपा ने किया नमन



जबलपुर, यश भारत। भारतीय जनता पार्टी महानगर जबलपुर ने भारतीय जनसंघ के विचारक एवं एकात्म मानववाद के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। पं. दीनदयाल चौक स्थित उनकी प्रतिमा पर भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने माल्यार्पण कर नमन किया। जिले के 1041 वृथों पर भी पं. दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर पुष्प अर्पित किए गए। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद सुमित्रा बाल्मीकि, भाजपा जिला अध्यक्ष रवेश सोनकर, प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन, जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन, नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज बिज, महामंत्री पंकज दुबे, अमित सोनू बचवानी और निशकजन कल्याण प्रकाश के प्रदेश संयोजक संदीप रजक सहित पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष रवेश सोनकर ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय का जीवन सादगी, त्याग, राष्ट्रनिष्ठा और संगठन के प्रति समर्पण का उदाहरण है।

सिकल सेल से जूझ रही 19 वर्षीय युवती का सफल बोन मैरो ट्रांसप्लांट

जबलपुर, यश भारत। नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में सिकल सेल रोग से पीड़ित 19 वर्षीय युवती का सफल मैचड सिबिलिंग डोनर बोन मैरो ट्रांसप्लांट (बीएमटी) किया गया। उपचार के बाद युवती को बिना किसी बड़ी जटिलता के अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। जानकारी के अनुसार युवती को पिछले कई वर्षों से हाइड्रोक्सीयूरिया दवा लेने के बावजूद बार-बार दर्द के दौर (वीओसी) पड़ रहे थे। बीमारी के लगातार बने रहने के कारण विशेषज्ञों की सलाह पर बोन मैरो ट्रांसप्लांट का निर्णय लिया गया। युवती की बड़ी बहन डोनर बनीं और मैचड सिबिलिंग डोनर



ट्रांसप्लांट किया गया। बीएमटी के बाद अस्पताल में युवती की लगातार निगरानी और उपचार किया गया। चिकित्सकों के अनुसार उपचार के दौरान किसी बड़ी परेशानी के बिना स्वास्थ्य में सुधार हुआ, जिसके बाद उसे अस्पताल से छुट्टी दी गई। पीडियाट्रिक हेमेटो-ऑन्कोलॉजिस्ट एवं नोडल बीएमटी यूनिट की डॉ. शंता

पाठक ने उपचार में सहयोग के लिए मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के अधिकारियों, चिकित्सकों, बीएमटी स्टाफ और एसआर टीम का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सिकल सेल से पीड़ित बच्चों और युवाओं के जीवन में उपचार के माध्यम से सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास लगातार जारी है।

कजरवारा बना धर्मधानी, जागरण में गूंजे भक्ति गीत

जबलपुर, यश भारत।

भवानी नवयुवक गणेशोत्सव समिति कजरवारा द्वारा आयोजित गणेशोत्सव के तहत जागरण में सप्त सूर एवं केम ऑफ़हैंडियन आउडल-6 के गायकों ने भक्ति गीतों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को भक्तिरस में डुबो दिया। कार्यक्रम में कैप्ट विधायक अशोक ईश्वर दास रोहणी ने भगवान गणेश का पूजन-अर्चन कर भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया। समिति की ओर से उनका तिलक लगाकर, श्रीफल व अंगवस्त्र भेंट कर सम्मान किया गया। देवी गीत गायिका वर्षा यादव ने भगवान शिव, गणेश सहित अन्य देवी-देवताओं के भजनों की प्रस्तुति दी, जिस पर श्रद्धालु भक्ति में झूमते



नजर आए। इस दौरान शिव-पार्वती और अनुमान जी की झांकियां भी प्रस्तुत की गईं। समिति के अनुसार कजरवारा में पिछले 64 वर्षों से लगातार गणेश प्रतिमा की स्थापना की जा रही है। दस दिवसीय

गणेशोत्सव समिति कजरवारा के राकेश उपाध्याय, 'अटल उपाध्याय, एडवोकेट ऋषभ खरे, धर्मेन्द्र कुशवाहा, कृष्णा दास चौधरी, आशीष दास चौधरी, नरेंद्र उपाध्याय मौजूद रहे।

गणेशोत्सव समिति कजरवारा के राकेश उपाध्याय, 'अटल उपाध्याय, एडवोकेट ऋषभ खरे, धर्मेन्द्र कुशवाहा, कृष्णा दास चौधरी, आशीष दास चौधरी, नरेंद्र उपाध्याय मौजूद रहे।

बारिश के बीच बप्पा की विदाई, मुख्य जुलूस में पहुंचीं सिर्फ चार प्रतिमाएं

अलग-अलग क्षेत्रों से निकले चल समारोह, घाटों पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

जबलपुर, यश भारत। 12 दिवसीय गणेशोत्सव के समापन पर शुक्रवार को अनंत चतुर्दशी के अवसर पर शहर में भगवान गणेश की प्रतिमाओं का विधि-विधान से विसर्जन किया गया। सुबह से ही गौरीघाट, तिलवारा, हनुमानताल, गोकलपुर और आधारताल सहित प्रमुख विसर्जन स्थलों पर श्रद्धालुओं की भीड़ पहुंचने लगी। बारिश के बीच भी भक्तों का उत्साह कम नहीं हुआ और शहरभर में 'गणपति बप्पा मोरिया' के जयकारे गूंजते रहे विसर्जन से पहले घरों और पंडालों में हवन, पूजन, महाआरती और भंडारे आयोजित किए गए। समितियों ने ढोल-नगाड़ों के साथ प्रतिमाओं को विसर्जन स्थलों तक पहुंचाया। बारिश से बचाव के लिए कई समितियों के सदस्य प्रतिमाओं को प्लास्टिक पत्रियों से ढककर ले जाते नजर आए। शहर में सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस बल भी तैनात रहा। बारिश के कारण इस बार मुख्य गणेश चल समारोह



निर्धारित समय से काफी देर से शुरू हुआ। नगर निगम चौराहे से शाम 6 बजे शुरू होने वाला मुख्य जुलूस रात 8 बजे के बाद शुरू हो सका। बारिश के चलते कई बड़ी प्रतिमाएं मुख्य जुलूस में शामिल होने के बजाय अलग-अलग मार्गों से सीधे विसर्जन स्थलों की ओर खाना हो गईं। इसके चलते मुख्य चल समारोह में केवल चार प्रतिमाएं ही

शामिल हुईं। मुख्य जुलूस में दरहाई गणेश उत्सव समिति, बरागढ़ मठ गणेश उत्सव समिति कोतवाली, शुभम गणेश उत्सव समिति तमरहाई और श्री बाल गणेश उत्सव समिति की प्रतिमाएं शामिल रही। जुलूस मालवीय चौक, सुपर मार्केट, गंजीपुरा, लाईगंज, बड़ा पुहारा, कमनिया, सराफ, कोतवाली, मिल्लीनगंज और घोड़ा नक्कास



होते हुए हनुमानताल पहुंचा। यहां विधिवत पूजन के बाद प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। उपनगरीय क्षेत्रों में भी अलग-अलग चल समारोह निकाले गए। राश्टी में बड़ा पत्थर से शुरू हुआ जुलूस दर्शन तिराहा और व्हीकल मोड़ होते हुए गोकलपुर तालाब पहुंचा। आधारताल में कंचनपुर से जुलूस शुरू होकर आधारताल तालाब पहुंचा। कैट

क्षेत्र में काली मंदिर से निकला चल समारोह टीआई क्रॉसिंग, गणेश चौक और गली नंबर-9 होते हुए वापस काली मंदिर गुरुद्वारा पहुंचा। जुलूस मार्गों और विसर्जन स्थलों पर पुलिस की पुख्ता व्यवस्था रही। बारिश के बावजूद श्रद्धालुओं ने उत्साह के साथ बप्पा को विदाई दी और अगले वर्ष फिर आने की कामना की।

नर्मदा पंचकोशी स्वर्ण कलश की 108 परिक्रमा

24 नवंबर को होगा

नर्मदा पंचकोशी परिक्रमा महाकुंभ



जबलपुर, यश भारत। भेड़ाघाट स्थित हरे कृष्णा आश्रम में भादों पूर्णिमा के अवसर पर नर्मदा पंचकोशी स्वर्ण कलश की 108 परिक्रमा संकीर्तन के साथ की गई। भगवान राधा-कृष्ण, लड्डू गोपाल और तुलसी मैया के पूजन के बाद श्रद्धालुओं ने स्वर्ण कलश की परिक्रमा की। इसी क्रम में 24 नवंबर को सुबह 8.30 बजे हरे कृष्णा आश्रम में संतों के सानिध्य में नर्मदा पंचकोशी परिक्रमा महाकुंभ का आयोजन किया जाएगा। 108

परिक्रमा का आयोजन संकीर्तनाचार्य सुरेश विश्वकर्मा, नर्मदा चैतन्य महाप्रभु संकीर्तन मंडल के अध्यक्ष विनोद दीवान और दुर्गा पटेल के सानिध्य में हुआ। हरे कृष्णा आश्रम के संस्थापक स्वामी रामचंद्रदास महाराज ने श्रद्धालुओं को नमामुक्ति का संकल्प दिलाया। इस अवसर पर नर्मदा महाआरती के

संस्थापक एवं परिक्रमा अध्यक्ष डॉ. सुधीर अग्रवाल, परिक्रमा संरक्षक सुषमा शंकर पटेल, सह संकीर्तनाचार्य श्याम मनोहर पटेल, मनोज गुलाबबानी, विनोद विश्वकर्मा, शिव कुमार पटेल, छत्रू राम पटेल, लालजी पटेल, कैलाश विश्वकर्मा और गुड्डू नेता सहित श्रद्धालु उपस्थित रहे।

भाजपा प्रदेश मंत्री, राज्यसभा सांसद रजनीश अग्रवाल का जबलपुर आगमन आज



जबलपुर। प्रदेश मंत्री, राज्यसभा सांसद रजनीश अग्रवाल का जबलपुर आगमन आज दोपहर 2 बजे सड़क मार्ग द्वारा होगा। रजनीश अग्रवाल जबलपुर में विभिन्न स्थानीय कार्यक्रमों में सम्मिलित होंगे। रजनीश अग्रवाल भाजपा संभागीय कार्यालय रानीताल में सायं 5 बजे जनप्रतिनिधि, पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्तागण से भेंट करेंगे एवं 7 बजे अग्रवाल सभा द्वारा आयोजित अग्रसेन जयंती के कार्यक्रम में सम्मिलित के पश्चात कल सुबह 10 बजे भोपाल खाना होंगे।

आज शाम से कल सुबह तक जलापूर्ति प्रभावित

जबलपुर, यश भारत। नर्मदा जल प्रदाय योजना के तहत रमनगरा स्थित 120 एमएलडी जलशोधन संयंत्र के राइजिंग मेन में 1200 एमएम बटरफ्लाई वाल्व के लोकेज सुधार का कार्य किया जाएगा। इसके चलते 26 सितंबर की शाम से 27 सितंबर की सुबह तक कई क्षेत्रों में जलापूर्ति प्रभावित रहेगी। जलापूर्ति प्रभावित होने वाले क्षेत्रों में बिड़ला धर्मशाला, मेडिकल, त्रिपुरी, गुलौआ, राइट टाउन, रामेश्वरम, मनमोहन नगर, लक्ष्मीपुर, कोतवाली, मोतीनाला, आनंद नगर, लेमा गार्डन, सर्वोदय नगर, मदर टेरेसा, बेदी नगर, मिल्क स्कीम, किलकारी गार्डन, न्यू शोभापुर और राजीव नगर शामिल हैं। अमृत योजना के तहत देवताल उच्चस्तरीय टंकी से जुड़े क्षेत्रों में भी पानी की आपूर्ति प्रभावित रहेगी। नगर निगम के कार्यपालन यंत्री जल कमलेश श्रीवास्तव ने बताया कि सुधार कार्य के दौरान प्रभावित क्षेत्रों में टैंकरों के माध्यम से जलापूर्ति की जाएगी। कार्य पूरा होने के बाद जलापूर्ति सामान्य रूप से बहाल कर दी जाएगी। महापौर जगत बहादुर सिंह अनू, जल प्रभारी दामोदर सोनी और निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने नागरिकों को होने वाली असुविधा के लिए खेद व्यक्त किया है।

बारिश के साथ मछलियां गिरने से मचा कौतूहल

जबलपुर, यश भारत। शहर में तेज बारिश के दौरान करमेता आईटीआई क्षेत्र और दिव्य ज्योति परिसर, सूखा में उस समय लोगों के बीच कौतूहल पैदा हो गया, जब बारिश के पानी के साथ छोटी-छोटी मछलियां जमीन पर पड़ी दिखाई दीं। स्थानीय लोगों ने इसे बारिश के साथ आसमान से मछलियां गिरने की घटना बताया। कुछ बच्चों ने जमीन पर मिली मछलियों को बाल्टियों में एकत्रित किया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार तेज हवा और बारिश के दौरान अचानक सड़क और आसपास के क्षेत्रों में छोटी मछलियां नजर आने लगीं। घटना के बाद स्थानीय लोगों



की भीड़ जमा हो गई। इस घटना के वीडियो और तस्वीरें भी सामने आई हैं, जिसके बाद मामला चर्चा में आ गया। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार तेज तेज तूफान के दौरान वॉटरस्पाउट यानी जल-भंवर बनने पर पानी और छोटे जलीय जीव हवा के साथ ऊपर उठकर दूसरे स्थानों तक

पहुंच सकते हैं। इसके बाद तेज बारिश और हवा के साथ इनके जमीन पर गिरने की घटनाएं कुछ स्थानों पर सामने आ चुकी हैं। हालांकि करमेता और आसपास के क्षेत्र में हुई घटना के संबंध में अभी किसी मौसम वैज्ञानिक या स्वतंत्र विशेषज्ञ की ओर से पुष्टि नहीं की गई है। यह भी स्पष्ट नहीं है

कि मछलियां वास्तव में आसमान से गिरीं या तेज हवा और जलप्रवाह के कारण किसी स्थानीय जलस्रोत से वाहें पहुंचीं। घटना के वास्तविक कारण का पता मौसम संबंधी परिस्थितियों और आसपास के जलस्रोतों के अध्ययन के बाद ही चल सकता है।

23 अक्टूबर से विवेचना का 32वां राष्ट्रीय नाट्य समारोह

‘मिथ्यासुर’ समेत पांच चर्चित नाटकों का होगा मंचन

जबलपुर, यश भारत। विवेचना का 32वां राष्ट्रीय नाट्य समारोह 23 से 27 अक्टूबर तक आयोजित किया जाएगा। पांच दिवसीय समारोह में देश के विभिन्न शहरों के चर्चित नाटकों का मंचन होगा। समारोह की शुरुआत 23 अक्टूबर को मध्यप्रदेश नाट्य विद्यालय थियेटर लैब की संजय श्रीवास्तव निर्देशित यह नाटक 'गुड्डिशा की शादी' से होगी। यह बुंदेलखंडी कस्बे के निम्न मध्यमवर्गीय परिवार की कहानी है। 24 अक्टूबर को दिल्ली के रेनासां थिएटर ग्रुप द्वारा फ्लोरियन जेलर के चर्चित नाटक 'द फ़ादर' का हिंदी मंचन किया जाएगा। मोहित त्रिपाठी निर्देशित यह नाटक एक ऐसे पिता और उसकी बेटी की कहानी है, जिसमें पिता की कमजोर होती याददाश्त और बेटी के संघर्ष को प्रस्तुत किया गया है। 25 अक्टूबर को मुंबई की उजागर ड्रामेटिक



सोसायटी द्वारा 'मिथ्यासुर' का मंचन होगा। प्रणय पांडे द्वारा लिखित और अजीत सिंह पालावत निर्देशित यह नाटक महेंद्र एकसीलेसी थिएटर अवार्ड-2026 में सर्वश्रेष्ठ नाटक चुना गया है। नाटक में साहित्य आहूजा ने राक्षसराज

की भूमिका निभाई है। 26 अक्टूबर को दिल्ली की सांझवाती फ़उंडेशन आर्थर मिलर के प्रसिद्ध नाटक 'द प्राइस' की प्रस्तुति देगी। शुद्धो बैनर्जी निर्देशित यह नाटक दो भाइयों के अलग-अलग विचारों और उनके पारिवारिक संबंधों की कहानी पर आधारित है। समारोह के अंतिम दिन 27 अक्टूबर को आयोजक संस्था विवेचना थियेटर ग्रुप, जबलपुर का '72 मील' मंचित होगा। अनिलरंजन भौमिक के निर्देशन में तैयार यह नाटक एक ऐसे बालक की कहानी है, जो बोर्डिंग स्कूल से भागकर अपने घर पहुंचने के लिए 72 मील की पैदल यात्रा करता है। विवेचना के हिमांशु राय, बांकेबिहारी ब्यूहार, मनु तिवारी, बदरीश पांडेय, चिंटे स्वामी, आदित्य रुसिया और अजय धावडें ने नाट्यप्रेमियों से समारोह में उपस्थित होने की अपील की है।

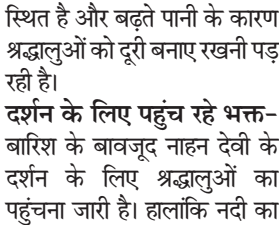
डॉक्टर बनकर बुजुर्ग से 99 हजार 800 रुपये की साइबर ठगी

दिलाने के लिए ज़ादतसोए पर मेसैज भी भेजा। इसके बाद बुजुर्ग को एसबीआई के एक खाते में रकम भेजने के लिए कहा गया। उन्होंने शाम 7:28 बजे फैन-पे के माध्यम से 45 हजार रुपये ट्रांसफर कर दिए। कुछ ही मिनट बाद आरोपी ने दोबारा रकम भेजने के लिए कहा और 7:32 बजे उन्होंने फिर 45 हजार रुपये भेज दिए। इसके बाद दवाइयों के नाम पर दिनेश कुमार मालवीय के खाते में 9 हजार 800 रुपये भी ट्रांसफर कर लिए गए। बाद में बैंक खाता चेक करने पर बुजुर्ग को पता चला कि उनके खाते से दो बार 45-45 हजार रुपये से निकल चुके हैं। रकम वापस मांगने पर आरोपी टालमटोल करने लगा। संदेह होने पर उन्होंने अपने डॉक्टर के क्लीनिक एक सफर संपर्क किया, जहाँ डॉक्टर ने एकाकार दर्ज पैन करने से इनकार कर दिया। इसके बाद उगी का खुलासा हुआ। पुलिस ने शिकायत पर धारा 318(4) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जॉन शुरू कर दी है।

कलेक्टर ने डुंगरिया और सालीवाड़ा में विकास कार्यों किया निरीक्षण



मंदिर के चारों तरफ पानी का असर- हिरण नदी में जलस्तर बढ़ने से नाहन देवी मंदिर के आसपास का क्षेत्र पानी से प्रभावित हो गया है। सामान्य दिनों में श्रद्धालु मंदिर के नजदीक पहुंचकर पूजा-अर्चना करते हैं, लेकिन फ्लाइंग नदी का बहाव बढ़ने के कारण वहां तक पहुंचना सुरक्षित नहीं है। मंदिर नदी के किनारे चट्टान के समीप



जलस्तर बढ़ा होने के कारण भक्त मंदिर के समीप जाने के बजाय किनारे से ही दर्शन कर रहे हैं। श्रद्धालु दूर से ही हाथ जोड़कर माता का आशीर्वाद ले रहे हैं। नदी के बढ़े जलस्तर के बीच मंदिर का दृश्य भी आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

भक्तों के लिए सावधानी बहुत जरूरी— बारिश के मौसम में हिरण नदी के जलस्तर में अचानक बढ़ोतर हो सकता है। ऐसे में नदी के किनारे जाने या पानी के बीच से मंदिर तक पहुंचने का प्रयास जोखिम भरा हो सकता है।

श्रद्धालुओं को जलस्तर सामान्य रहने तक सुरक्षित दूरी बनाए रखने की जरूरत है। प्रशासन और स्थानीय लोगों की ओर से भी नदी के बढ़े पानी के दौरान सावधानी बरतने की अपील की जा सकती है। प्लिहाल नाहन देवी के भक्तों के लिए आस्था के साथ सावधानी भी जरूरी है। जलस्तर कम होने तक दूर से दर्शन करना ही सुरक्षित रहेगा।

आयुध निर्माणी चार्जमेंटों के विभिन्न, मसलों पर गंभीर चर्चा

सभी निर्माणियों के अस्पतालों में दवाइयों की उपलब्धता, चिकित्सक की नियुक्ति के निदेश दिये गये हैं। बताया गया स्थानांतरण के मामले 15 अक्टूबर के बाद कागजीवित किए जाएंगे घाएस्काट इस्ट्री पॉलिस् डीपीएसयू निर्धारित करीगें वंगें मांग की गई कि चार्जमेंट के डेयुटेशन के दौरान एंटाइलमेंट के आधार पर ही ID पर तैनात किया जाए।व्हीएफजे में किए गए जबरदस्ती स्थानांतरण का मुद्दा उठाने पर बताया कि, सलन डीपीबीयूस DPSUS से स्टेक होल्डर से चर्चा कर मसला सुलझाया जाएगा द्य सभी जेोखिम भरे अनुभागों में जेोखिम भरा देने की मांग पर निदेशालय द्वारा बताया गया कि इस सन्दर्भ में कमेटी गठित की गई है जो अध्ययन कर रिपोर्ट देगी।

‘युवा संगम’ 28 सितंबर को: युवाओं को मिलेंगे रोजगार व स्वरोजगार के अवसर



संगीत करेंगे। मंच संचालन समीर और मुख्य सूत्रधार अनुपमा पालन होंगी। वरिष्ठ शिक्षाविद प्रो. एच.बी. पालन ने बताया कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य नेत्रीन कलाकारों की असाधारण प्रतिभा समर्पण और आत्मविश्वास को मंच प्रदान करना है। संगीत प्रेमियों के लिए यह इन कलाकारों के जज्ज को महसूस करने का खास अवसर है।

विधिक साक्षरता शिविर में विद्यार्थियों को बताए कानून के अधिकार

जलपुर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय जी.सी.एफ. क्रमांक-1 में विधिक साक्षरता शिविर आयोजित किया गया। सिविल जज सुश्री सिमरन गुप्ता, सुश्री अरुण सोनी और सुश्री ऋषि प्रजापति ने विद्यार्थियों को बाल अधिकार साइबर कानून, यातायात नियम और विधिक सहायता से जुड़े महत्वपूर्ण प्रावधानों की जानकारी दी। सिविल जज सुश्री ऋषि प्रजापति ने हेल्मेट, सीट बेल्ट और यातायात संकेतों के पालन पर जोर दिया। सुश्री अरुण सोनी ने साइबर बुलिंग, ऑनलाइन धोखाधड़ी, संदिग्ध लिंक, ओटीपी और पारवर्ड की सुरक्षा के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक किया। सुश्री सिमरन गुप्ता ने बाल संरक्षण कानूनों तथा न्यायिक सेवा में करियर की तैयारी के संबंध में मार्गदर्शन दिया। जिला विधिक सहायता अधिकारी बी. डी. दीक्षित ने निःशुल्क विधिक सहायता की जानकारी दी। अंत में प्रश्नोत्तरी के माध्यम से विद्यार्थियों को कानूनी जिज्ञासाओं का समाधान किया गया। विद्यालय प्राचार्य रजनीश सिंघई सहित शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

जबलपुर रेल मंडल में 90 हजार पौधों का वृहद वृक्षारोपण

पश्चिम मध्य रेल द्वारा स्वच्छ एवं हरित पर्यावरण को बढ़ावा देने तथा रेलवे परिसरों एवं रेलखंडों के आसपास हरियाली बढ़ाने के उद्देश्य से 'हरियाली महोत्सव' के अंतर्गत जलपूर मंडल में व्यापक स्तर पर वृहद वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। जुलाई से सितंबर के दौरान मंडल के विभिन्न रेलखंडों में 90 हजार से अधिक पौधों का रोपण किया गया है। उल्लेखनीय है कि पहली बार इतने वृहद स्तर पर एक साथ किए गए इस व्यापक वृक्षारोपण अभियान के माध्यम से पहिली मध्य रेल ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत किया है। यह पहली 'स्वच्छ भारत' के संदेश से संकल्पित स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण को साकार करने हुए रेलवे परिसरों, रेलखंडों एवं आसपास के क्षेत्रों को अधिक स्वच्छ, हरित एवं पर्यावरण अनुकूल बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

वृक्षारोपण का विवरण इस प्रकार है

- * बीना-कटनी रेलखंड: 16,709 पौधे
- * जबलपुर-कटनी रेलखंड: 22,764 पौधे
- * कटनी-मानिकपुर रेलखंड: 26,296 पौधे
- * इटारसी-जबलपुर रेलखंड: 11,420 पौधे
- * कटनी-सिंगरौली रेलखंड: 13,783 पौधे



इस प्रकार विभिन्न रेलखंडों में कुल 90,000 से अधिक पौधों का रोपण किया गया है।

पौधों के संरक्षण एवं संवर्धन पर भी विशेष जोर-पश्चिम मध्य रेल द्वारा लगाए गए पौधों के संरक्षण एवं संवर्धन पर भी विशेष ध्यान दिया जा

रहा है, ताकि आगामी वर्षों में ये पौधे विकसित होकर व्यापक हरित क्षेत्र का स्वरूप ले सकें। पौधों की देखभाल एवं उनके संरक्षण से वृक्षारोपण अभियान के दीर्घकालिक पर्यावरणीय लाभ सुनिश्चित करने में सहायता मिलेगी।



अधिकाधिक सरकारी कामकाज को हिंदी में करें तथा अपने अधीनस्थ अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भी इसके लिए प्रेरित करें। इसके पश्चात् अपर मंडल रेल प्रबंधक दिनेश कुमार कलामे द्वारा महाप्रबंधक, पश्चिम मध्य रेल के हिंदी दिवस संदेश-2026 का वाचन किया गया तथाप्रख्य राजभाषा अधिकारी गुन्नार सिंह ने मंडल राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सचिव के रूप में समिति की रिपोर्ट प्रस्तुत की। रिपोर्ट प्रस्तुति के बाद अधिकारी प्रश्नमंच का आयोजन किया गया। यह प्रश्नमंच मंडल में मनाए जा रहे राजभाषा माह-2026 के अंतर्गत आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों की श्रृंखला का हिस्सा था। प्रश्नमंच का संचालन राजभाषा अधिकारी गुन्नार सिंह द्वारा किया गया।बैठक के माध्यम से मंडल में सरकारी कामकाज में हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग तथा स्पष्ट की राजभाषा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन के प्रति अधिकारियों को प्रतिबद्धता को रेखांकित किया गया।



जबलपुर पावर एंड टेक्निकल

JABALPUR POWER AND TECHNICAL

सर्वश्रेष्ठ कंट्रोल पैनल बिल्डर्स

जबलपुर पावर एंड टेक्निकल

कंट्रोल पैनल बिल्डर्स



हमारी विशेषताएँ :

- ⊗ उच्च गुणवत्ता वाले कंट्रोल पैनल
- ⊗ MCC, PCC, APFC पैनल का निर्माण
- ⊗ कस्टमाइज़्ड डिज़ाइन
- ⊗ सुरक्षित एवं विश्वसनीय स्थापना
- ⊗ समय पर डिलीवरी और सेवा
- ⊗ औद्योगिक और व्यावसायिक आवश्यकताओं के लिए समाधान

गुणवत्ता और विश्वरनीयता का वादा!

पता: Yash Bharat, Shatabdipuram, Jabalpur (M.P.) - 482002 ईमेल: jbppower77@rediffmail.com
 संपर्क: 9425152041, 7804887888, 7898101226





संपादकीय

लोकतंत्र, संस्थागत साख और आयोग में मतभेद का सवाल

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत उसकी संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता और उन पर जनता का अटूट विश्वास रहा है। हालांकि, हालिया घटनाक्रम और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के फैसलों को लेकर उत्पन्न हुआ विवाद निर्वाचन आयोग जैसी पारदर्शी संस्था की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है। आयोग के भीतर फैसलों को लेकर उभरे मतभेद अब केवल आंतरिक विषय न रहकर सर्वोच्च न्यायालय की चौखट तक पहुँच चुके हैं और सड़कों पर प्रदर्शन का कारण बन गए हैं। कांग्रेस से लेकर अन्य विपक्षी दल व काकरोच जनता पार्टी सभी मुख्य चुनाव आयुक्त के विरोध में जुट गए हैं। ?उधर सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका में यह मुख्य चिंता जताई गई है कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने अन्य दो निर्वाचन आयुक्तों की पूर्ण सहमति या बहुमत के बिना कई महत्वपूर्ण फैसले लिए हैं, जिनमें सॉफ्टवेयर में बदलाव और स्ट्रुक्र से जुड़े दिशा-निर्देश शामिल हैं। 2023 के अधिनियम की धारा 18 यह स्पष्ट रूप से रेखांकित करती है कि निर्वाचन आयोग में किसी भी मतभेद की स्थिति में निर्णय बहुमत के आधार पर ही मान्य होगा। यदि संस्था के भीतर बहुमत की उपेक्षा कर व्यक्तिगत या एकतरफा निर्णय थोपे जाते हैं, तो यह न केवल संवैधानिक प्रावधानों का उल्लंघन है, बल्कि आयोग की साख को भी गहरा धक्का पहुँचाता है। वैसे भी इन्हीं आशंकाओं के मद्देनजर तीन सदस्यीय चुनाव आयोग की परंपरा शुरू हुई थी। ताकि किसी एक की ममामर्जी को रोका जा सके। चिंताजनक बात यह है कि इस विवाद में केवल विपक्षी दल ही नहीं, बल्कि सत्ताधारी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (ह्छ) के सहयोगी दल-जैसे लोजपा (रामविलास), टीडीपी और राष्ट्रीय लोक मोर्चा-भी आयोग से स्पष्टीकरण की मांग कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान का यह कथन कि ‘चुनावों में जनता का भरोसा दांव पर है’ स्थिति की गंभीरता को बयां करता है। लोकतंत्र में जब तक चुनावी प्रक्रिया और उसका संचालन करने वाली संस्था पर जनता का विश्वास निष्पक्ष नहीं होगा, तब तक जनताई की पवित्रता पर सवाल उठते रहेंगे। ऐसे में भाजपा के लिए समस्या खड़ी हो गई है। अब तक उसे सिर्फ विपक्ष से लड़ना पड़ रहा था अब उसके कुछ साथी भी चुनाव आयोग के खिलाफ खड़े हैं, वहीं भाजपा ने चुनाव आयोग के पक्ष में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर खुद को भी कटघरे में खड़ा कर दिया है। इतना ही नहीं पश्चिम बंगाल भाजपा के अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य ने तो सीईसी ज्ञानेश कुमार के लिए पद्मभूषण देने की मांग कर भाजपा के लिए एक और समसैखड़ी कर दी है । हालांकि आयोग द्वारा मतदाता सूची में करोड़ों नए युवाओं के जुड़ने के आंकड़े पेश करना निश्चित रूप से एक सकारात्मक पहलू है, लेकिन यह संस्थागत पारदर्शिता का विकल्प नहीं हो सकता। आयोग को अपने फैसलों, दौरों को टालने के कारणों और आंतरिक असहमतियों पर खुलकर अपनी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। चुनावी प्रणाली में किसी भी प्रकार के संशय को मिटाने के लिए यह आवश्यक है कि न्यायपालिका इस पूरे मामले में संवैधानिक मर्यादाओं के अनुरूप शीघ्र और स्पष्ट दिशानिर्देश तय करे। निर्वाचन आयोग को भी यह समझना होगा कि निष्पक्षता केवल होनी ही नहीं चाहिए, बल्कि दिखनी भी चाहिए, जैसा कि न्यायालय ने पहले ही कहा है। यहां उल्लेखनीय है कि यह पूरा मामला इंडियन एक्सप्रेस की एक खबर के बाद आम जनता के सामने आया है, लंबे अरसे बाद अखबार की खबर ने एक बार फिर अपना रंग दिखाया है। लोग इस प्रकार की पत्रकारिता के काफी दीवाने रहे हैं।



मेघ	तृष
 उत्साहित आनंद भरा दिन रहेगा परिवार का पूरा सहयोग मिलता दिख रहा है कोर्ट कचहरी धाने से दूर रहे	 कल और संगीत के प्रति रुझान बढ़ेगा घर में मांगलिक कार्य आयोजित हो सकते हैं
मिथुन	कर्क
 कारोबार में तरक्की की योग बनते दिख रहे हैं खर्चों की अधिकता बनी रहेगी	 अस्त व्यस्त दिनचर्या को सुधारने की जरूरत है योग प्राणायाम करके स्वास्थ्य लाभ में सुधार होगा
सिंह	कन्या
 जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी	 प्रोफेशनल लाइफ में छोटी-मोटी दिक्कतें हो सकती हैं अपने बुद्धि विवेक से समस्याओं का हल निकाले
तुला	वृश्चिक
 सुख सुविधाओं के संसाधन की खरीदारी कर सकते हैं उत्साह पूर्वक दिन व्यतीत करेंगे व्यतीत करेंगे	 आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी नौकरी में तरक्की मिलने की योग बनते दिख रहे हैं
धनु	मकर
 रिश्तो में चल रही दिक्कतों को समझदारी से सुलझाने की कोशिश करें कोथ से बचना होगा	 वाणी पर नियंत्रण रखते हुए कार्य करें बिना सोचे विचारें किसी भी निर्णय में न पहुँचे
कुंभ	मीन
 आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा नए कार्य की शुरुआत के लिए दिन अच्छा है	 सामाजिक पद प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी घर वालों का पूरा सहयोग रहेगा

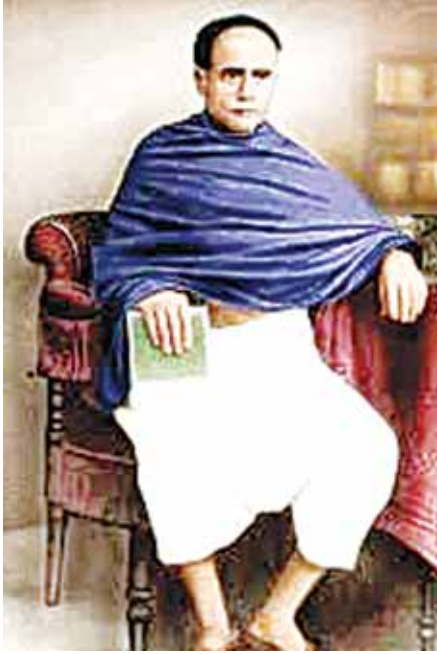
‘अपना काम स्वयं करो’ सिद्धांत के प्रवर्तक ईश्वरचंद्र विद्यासागर नारी शिक्षा के प्रबल समर्थक थे, जिन्होंने सदैव लोगों को अपने क्रियाकलापों के माध्यम से स्वावलंबन और आत्मनिर्भरता की सीख दी। भारतीय इतिहास में उन्हें एक महान शिक्षक, फिलॉसोफर और समाज सुधारक जैसे कई रूपों में याद किया जाता है। अपने सादा जीवन, निडर स्वभाव, आत्म-बलिदान की भावना, शिक्षा के प्रति समर्पण और दलितों के हित के लिए किए गए कार्यों के कारण ईश्वरचंद्र विद्यासागर पूरी दुनिया के लिए एक महान व्यक्ति बन गए थे। संस्कृत कॉलेज में उन्होंने आधुनिक पश्चिमी विचारों के अध्ययन की शुरुआत की और तथाकथित निचली जातियों के छात्रों को संस्कृत का अध्ययन करने के लिए प्रवेश दिया। संस्कृत भाषा और दर्शन में अगाध ज्ञान होने के कारण उनकी महान विद्वता के लिए कलकत्ता के संस्कृत कॉलेज, जिसके बाद में वे कुछ वर्षों तक प्रिंसिपल भी रहे, ने ही उन्हें विद्यार्थी जीवन में ही ‘विद्यासागर’ की उपाधि से सम्मानित किया था। उन्होंने संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार के लिए जीवन पर्यंत प्रयास किया। बांग्ला भाषा के गद्य को सरल और आधुनिक बनाने का उनका कार्य भी सदैव याद किया जाएगा। उन्होंने बांग्ला लिपि की वर्णमाला को सरल और तर्कसम्मत बनाया तथा बांग्ला पढ़ने के लिए सैंकड़ें विद्यालय स्थापित किए और रात्रि पाठशालाओं की भी व्यवस्था की।

नारी शिक्षा के लिए तो ईश्वरचंद्र ने व्यापक जनान्दोलन खेा किया ही था, उन्हीं के निरंतर प्रयासों और दृ?संकल्प की बदौलत ही वर्ष 1856 में ब्रिटिश शासनकाल में अंग्रेज सरकार विधवा पुनर्विवाह कानून पारित करने को विवश हुई थी, जिसके बाद भारतीय समाज में विधवाओं को नए सिरे से जीवन की

छात्रों की आत्महत्या के असल जिम्मेदार कौन?

आईआईटी मुंबई में एक छात्र की आत्महत्या ने फिर से कई पुराने सवाल खड़े कर दिये हैं लेकिन हम हैं कि असल मुद्दे छोड़कर लेकर पीटने में मशगूल हैं। जैसे नीट पेपर लोक में मंत्री के इस्तीफे की सारी समस्या का इलाज समझ लिया गया था वैसे ही इस प्रकरण में प्रोफेसर के इस्तीफे की मांग की जा रही है। एप्ससी/एप्सटी एक्ट के अताकिक लेकिन डरावने प्रावधानों के तहत प्रोफेसर के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज कर दी गयी है। समर्थन और विरोध में प्रदर्शन हो रहे हैं और सोशल मीडिया भी अच्छी बुरी प्रतिक्रियाओं से सराबोर है। गम्भीर सामाजिक समस्या को राजनीतिक रंग देकर भी?तंत्र के हवाले कर देना आज के दौर में एक परम्परा हो गया है। यह अत्यन्त दुर्भाग्यपूर्ण है कि हम बार बार असल समस्या को नजरअंदाज करके शूतुरमुर्ग की तरह रेत में सर छिपाये हुये हैं। ऑन परपज नाम का पॉडकास्ट चलाने वाले विश्वप्रसिद्ध मोटिवेशनल स्पीकर जय शेट्टी अपनी बेस्टसेलर किताब थिंक लाइक अ मॉन्क में लिखते हैं कि आम तौर पर बच्चों को दो तरह के झुट सुनना पड़ता है। या तो यह कि; तुम जीवन में कुछ नहीं बन सकते या फिर यह कि; तुम जीवन में जो चाहो बन सकते हो। जबकि वास्तविकता यह है कि कोई भी वह नहीं बन सकता जो वो चाहता है लेकिन वह जरूर बन सकता है जो वो है। ये झुट भारतीय समाज के अधिकांश परिवारों पर पूरी तरह फिट बैठते हैं और अक्सर बच्चों से उनकी क्षमता से बहुत ज्यादा उम्मीद की जाती है। उपभोक्तावाद से ग्रस्त समाज में यह समझा जाता है कि महंगी कोचिंग के दम पर बच्चा जो चाहे वह बन सकता है। इस त्रासदी का एक दुखद पहलू यह भी है कि विरले मातापिता ही बच्चों को नैतिकता, नागरिक जिम्मेदारी, समाजसेवा, देशप्रेम तथा परोपकार की शिक्षा देते हैं। अधिकांश मातापिता की महत्वाकांक्षा बच्चे के आईआईटी अथवा मेडीकल कॉलेज में दाखिले की होती है क्योंकि इन दो व्यवसायों से प्रतिष्ठा और पैसा दोनों ही हासिल होते है।

भारतीय सिस्टम में करियर चुनाव के लिये कोई स्थापित प्रक्रिया नहीं है इसलिए अक्सर मातापिता की महत्वाकांक्षा और समाज की तत्कालीन अपेक्षा ही करियर निर्धारित करती है। जबकि वास्तव में किसी भी बच्चे



शुरूआत कर सम्मान के साथ जीने का अधिकार प्राप्त हुआ था। दरअसल उस समय हिंदू समाज में विधवाओं की स्थिति काफी चिंताजनक थी। 1820 में जिस समय वह बंगाल में पैदा हुए थे, उन दिनों समाज में अनेक कुरीतियां ज? जमाई हुई थी, जिनमें एक थी विधवा होने वाली महिलाएं या सती होने के लिए बाध्य की जाती थी या फिर उनका वैधव्य जीवन बेहद उपेक्षित और दयनीय स्थिति में बीतता था। ईश्वर चंद्र ही वह शख्सियत थे, जिन्होंने तमाम विरोधों के बाद भी न केवल बंगाल में विधवाओं का विवाह कराया बल्कि



का करियर तीन बुनियादी प्रश्नों से तय किया जाना चाहिये। पहला; वह क्या बनना चाहता है, दूसरा; वह क्या बन सकता है और तीसरा; वह क्या बनने के काबिल है? चूंकि हमारे समाज बच्चों में मौलिक सोच विकसित होने की गुंजाइश कम होती है इसलिए वह आसानी से बाहरी दुनिया से प्रभावित हो जाता है। नतीजा यह कि अक्सर पहले प्रश्न के पीछे साधियों का सोच और तत्कालीन सामाजिक धारा का प्रभाव होता है और दूसरे प्रश्न के पीछे माता पिता की महत्वाकांक्षा। तीसरे प्रश्न का उत्तर किसी भी बच्चे के व्यक्तित्व की बनावट और उसकी बौद्धिक क्षमता में मौजूद होता है लेकिन इन दोनों का सही आकलन न होने से सामाजिक दबाव और माता पिता की महत्वाकांक्षा ही ज्यादा असरदार साबित होते हैं। इसीलिये अधिकांश मातापिता द्वारा बच्चों को उनकी इच्छा के विपरीत और क्षमता के बाहर की पढ़ाई करने का दबाव डाला जाता है। और यह समस्या तब और भी गम्भीर हो जाती है जब बच्चों को महंगी कोचिंग क्लास में भेजा जाता है। पहले दसवीं कक्षा के बाद कोचिंग का फैशन था लेकिन भीषण प्रतिस्पर्धा के चलते अब कई कोचिंग संस्थान आठवीं कक्षा के बाद ही नीट या जेईई की तैयारी शुरू करवा देते हैं। इस कोचिंग कोर्स का लाखों खर्च के कारण मातापिता बच्चों को बीच बीच में याद

परमाणु ताकत में रूस दुनिया मे सबसे आगे, भारत बना रहा है डिलेवरी सिस्टम को आधुनिक

दुनिया में बदलते सामरिक समीकरणों, बढ़ते तनाव और कई क्षेत्रों में जारी संघर्षों के बीच परमाणु हथियार आज भी राष्ट्रीय सुरक्षा और रणनीतिक प्रतिरोधक क्षमता का महत्वपूर्ण हिस्सा बने हुए हैं। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट यानी एसआईपीआरआई की 2026 की रिपोर्ट के अनुसार जनवरी 2026 तक दुनिया के नौ परमाणु हथियार संपन्न देशों के पास अनुमानित 12,187 परमाणु हथियार थे। इनमें करीब 9,745 हथियार सैन्य भंडार में संभावित इस्तेमाल के लिए उपलब्ध माने गए हैं। लगभग 4,012 परमाणु हथियार मिसाइलों और परिचालन वाले विमानों के साथ तैनात थे। जनवरी 2025 की तुलना में यह संख्या करीब 100 अधिक है। एसआईपीआरआई के अनुसार 2,100 से 2,200 परमाणु हथियार बैलैलिस्टिक मिसाइलों पर उच्च परिचालन सतर्कता की स्थिति में थे और इनमें लगभग सभी रूस तथा अमेरिका के थे। रूस और अमेरिका के पास सबसे बड़ा परमाणु जखीरा परमाणु हथियारों की संख्या के मामले में रूस सबसे आगे है। एसआईपीआरआई के अनुमान के अनुसार रूस के पास करीब 5,420 और अमेरिका के पास करीब 5,042 परमाणु हथियार हैं। दोनों देशों के पास मिलाकर दुनिया के सैन्य परमाणु भंडार का करीब 83 प्रतिशत हिस्सा है। इसके बाद चीन करीब 620 परमाणु हथियारों के साथ तीसरे स्थान पर है। फ्रांस के पास करीब 370 और ब्रिटेन के पास करीब 225 परमाणु हथियार होने का अनुमान है। भारत करीब 190 के साथ छठे और पाकिस्तान करीब 170 के साथ सातवें स्थान पर है। इजराइल के पास करीब 90 और उत्तर कोरिया के पास करीब 60 परमाणु हथियार होने का अनुमान है।

इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि परमाणु शक्ति का वैश्विक संतुलन अभी भी मुख्य रूप से रूस और अमेरिका के इर्द-गिर्द केंद्रित है। हालांकि चीन की दिशा भी महत्वपूर्ण हो गई है। एसआईपीआरआई के अनुसार चीन अपने

परमाणु जखीरे का विस्तार किसी भी अन्य परमाणु शक्ति की तुलना में तेज गति से कर रहा है। उसके पास जनवरी 2026 तक करीब 620 परमाणु हथियार होने का अनुमान है और वह बड़ी संख्या में मिसाइल प्रणालियों को विकसित और तैनात कर रहा है। चीन के परमाणु आधुनिकीकरण का असर एशिया के सामरिक संतुलन पर भी पड़ता है।

भारत की स्थिति को केवल परमाणु हथियारों की संख्या से नहीं देखा जा सकता। किसी देश की सैन्य शक्ति में परमाणु क्षमता के साथ मिसाइल प्रणाली, समुद्री शक्ति, वायुसेना, थलसेना, अंतरिक्ष आधारित निगरानी, साइबर क्षमता, रक्षा उद्योग और आधुनिक तकनीकी की भूमिका भी महत्वपूर्ण होती है। इस दृष्टि से भारत दुनिया की प्रमुख सैन्य शक्तियों में शामिल है। एसआईपीआरआई के अनुसार 2025 में भारत का सैन्य खर्च 8.9 प्रतिशत बढ़कर करीब 92.1 अरब डॉलर हो गया और भारत दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा सैन्य खर्च करने वाला देश रहा। अमेरिका 954 अरब डॉलर के साथ पहले, चीन 336 अरब डॉलर के साथ दूसरे और रूस 190 अरब डॉलर के साथ तीसरे स्थान पर था।

भारत की सुरक्षा स्थिति अन्य परमाणु देशों से अलग है। भारत के सामने पश्चिम में पाकिस्तान और उत्तर में चीन जैसी दो परमाणु हथियार संपन्न शक्तियां हैं। दोनों देशों की सैन्य क्षमताओं और रणनीतिक नीतियों का भारत की सुरक्षा पर सीधा प्रभाव पड़ता है। चीन के पास भारत की तुलना में परमाणु हथियारों का अनुमानित जखीरा तीन गुने से भी अधिक है और उसका परमाणु आधुनिकीकरण तेज गति से जारी है। दूसरी ओर पाकिस्तान के पास करीब 170 परमाणु हथियार होने का अनुमान है।

यही कारण है कि भारत के लिए सैन्य शक्ति को लगातार आधुनिक बनाना महत्वपूर्ण है। सीमा सुरक्षा केवल सैनिकों की संख्या या परमाणु हथियारों की संख्या से तय नहीं होती। आधुनिक मिसाइल रक्षा, वायु

तत्कालीन अंग्रेज सरकार को इस बारे में कानून बनाने के लिए भी बाध्य किया। उन्होंने विधवा पुनर्विवाह के लिए लोकमत तैयार किया और उनके अटूट प्रयासों की बदौलत ही ‘विधवा पुनर्विवाह कानून’ पारित हो सका था। वह कानून पारित होने के तीन महीने बाद ही उन्होंने एक विधवा कमलादेवी का विवाह प्रतिष्ठित घराने के एक युवक के साथ कराया था, जो बंगाल का पहला विधवा विवाह था। उन्होंने 25 विधवाओं का पुनर्विवाह 1856-60 के बीच सम्पन्न कराया। यही नहीं, अपने इकलौते पुत्र नारायण का विवाह भी एक विधवा से करारकर समस्त उन्होंने भारतीय समाज के समक्ष कथनी और करनी के भेद को खत्म करने की अविस्मरणीय मिसाल पेश की थी।

पश्चिम बंगाल के मेदिनीपुर जिले में धार्मिक प्रवृत्ति के एक गरीब ब्राह्मण परिवार में 26 सितम्बर 1820 को जन्मे ईश्वरचंद्र विद्यासागर जीवन पर्यंत नैतिक मूल्यों के संरक्षक माने जाते रहे। वास्तव में वे एक ऐसी महान् शख्सियत थे, जिन्होंने नारी शिक्षा को ब?वा देने के साथ-साथ बहुपत्नी प्रथा और बहु-विवाह के खिलाफ भी आवाज उठाई। वे अपने जीवन के अंतिम क्षणों तक नारी उत्थान के प्रबल समर्थक रहे। उनके अथक प्रयासों से ही कोलकाता सहित पश्चिम बंगाल में कई स्थानों पर कई बालिका विद्यालयों की स्थापना हुई थी और उन्होंने कलकत्ता में मेट्रोपोलिटन कॉलेज की स्थापना भी की थी। नारी शिक्षा के लिए गंभीर प्रयास करते हुए उन्होंने बैठने स्कूल की स्थापना की और करीब तीन दर्जन स्कूल खुलवाए। इतना ही नहीं, इन स्कूलों के संचालन के लिए पूरे खर्च की जिम्मेदारी भी उन्होंने स्वयं उठाई थी। दरअसल स्कूलों के खर्च के लिए वे विशेष रूप से स्कूली बच्चों के लिए बंगाली में लिखी गई

किताबों की बिक्री से फंड जुटाते थे। स्थानीय बांग्ला भाषा तथा ल?कियों की शिक्षा के लिए उन्होंने स्कूलों की एक श्रृंखला के साथ कलकत्ता में मेट्रोपोलिटन कॉलेज की स्थापना भी की थी। ब्रिटिश शासनकाल में ऐसे कॉलेज विरले ही होते थे, जिनका संचालन पूर्ण रूप से भारतीयों के ही हाथों में हो और जहां पढ़ने वाले सभी शिक्षक भी भारतीय ही हों किन्तु ईश्वरचंद्र विद्यासागर ने कोलकाता में वर्ष 1872 में विद्यासागर कॉलेज की स्थापना कर यह कारनामा भी कर दिखाया था।

बंगाल समाज के लिए किए गए इसी प्रकार के अनेक कार्यों की वजह से ही उन्हें बंगाल पुनर्जागरण का प्रमुख स्तंभ माना जाता है। समाज सुधार तथा समाज की भलाई के लिए किए जाने वाले कार्यों के चलते ही उन्हें गरीबों और दलितों का संरक्षक तथा महान् समाज सुधारक के रूप में जाना जाने लगा। भारतीय समाज में आज भी ईश्वरचंद्र विद्यासागर को स्वतंत्रता सेनानी, समाज सुधारक, लेखक, शिक्षाविद्, दार्शनिक इत्यादि अनेक रूपों में स्मरण किया जाता है। 29 जुलाई 1891 को यह महान् शख्सियत हमेशा के लिए अटल शून्य में विलीन हो गई। हमेशा समाज की भलाई के लिए सोचने और समाज के लिए कुछ अलग करते रहने के कारण ही उन्हें एक महान् समाज सुधारक के रूप में राजा राममोहन राय का उत्तराधिकारी भी माना जाता रहा है। नैतिक मूल्यों के संरक्षक और महान शिक्षाविद विद्यासागर का मानना था कि अंग्रेजी और संस्कृत भाषाओं के ज्ञान का समन्वय करके ही भारतीय और पाश्चात्य परंपराओं के श्रेष्ठ को हासिल किया जा सकता है।

(लेखिका- श्वेता गोयल)

दिलाते रहते हैं कि उन्हें हर हाल में सफल होना है। मातापिता भले ही इसे प्रेरणा समझें लेकिन यह बच्चों को और अधिक तनाव में डाल देता है।

कोचिंग क्लास की कठिन दिनचर्या कुछ इस तरह है कि छात्र को परम्परागत स्कूल छोड़ना पड़ता है और उनका प्रवेश ऐसे डमी स्कूलों में करवा दिया जाता है जहां सिर्फ उनकी हाजिरी दिखाई जाती है। चूंकि छात्र स्कूल के वातावरण से वंचित रहते हैं इसलिये उन्हें किशोरावस्था में सामंजस्य, समझौता, सहयोग, और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा सीखने का अवसर ही नहीं मिलता। इसके बजाय वे कोचिंग के तनावपूर्ण माहौल में एक दूसरे से आगे निकलने के हुनर सीखते रहते है। इससे छात्रों का मानसिक और भावनात्मक विकास नहीं हो पाता और भावी जीवन में किसी भी कठिनाई और असफलता से छात्र टूट जाते हैं और कमजोर क्षणों में आत्मघात जैसे कठोर कदम भी उठा लेते हैं।उपभोक्तावाद से प्रेरित समाज की सोच मातापिता की महत्वाकांक्षा तक पहुँच कर रुक गयी है। इसी का नतीजा है कि देश भर के नामी इंजीनियरिंग और मेडीकल संस्थानों में दाखिले के बावजूद बच्चे दबाव और तनाव में रहते हैं। कोचिंग के गलाकाट प्रतिस्पर्धा भरे माहौल में सालों साल कोशिश करते रहने के परिणामस्वरूप ऐसे कई छात्रों की मानसिक स्थिति बेहद नाजुक और कमजोर हो जाती है और नामी संस्थानों में पढ़ाई का दबाव उन्हें निराशा और अवसाद में धकेल देता है। नतीजा यह कि आत्महत्या की घटनाएं निरन्तर जारी हैं। लेकिन हम हैं कि समस्या को अजीबोगरीब रंग देकर अगली दुर्घटना का इंतजार करने लगते हैं। इस लीलापाती के मूल में यह भय है कि असलियत सामने आते ही उसे स्वीकार करना मुश्किल होगा। और असलियत यही है कि इन आत्महत्याओं के वास्तविक जिम्मेदार महत्वाकांक्षी मातापिता और दिग्भ्रमित समाज हैं। हर आत्महत्या पर किसी को बलि का बकरा बना देने से आत्महत्याएं नहीं रुकेगी। शिक्षाशास्त्रिज्नों, मनोवैज्ञानिकों और योजनाकारों को पूरी व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन करना पड़ेगा तब हम आत्महत्याएं रोक पायेंगे।

(लेखक- डॉ योगेन्द्र श्रीवास्तव)

नीति का लगातार मूल्यांकन करते रहना होगा। रूस और अमेरिका के विशाल परमाणु जखीरे, चीन के तेजी से बढ़ते परमाणु भंडार और पाकिस्तान की परमाणु क्षमता के बीच भारत के लिए रणनीतिक संतुलन बनाए रखना आसान नहीं है। इसके साथ ही आधुनिक युद्ध का स्वरूप भी बदल रहा है। अब केवल परमाणु हथियार ही नहीं बल्कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता, साइबर तकनीक, ड्रोन, अंतरिक्ष और सैन्य मारक क्षमता भी युद्ध की दिशा प्रभावित कर सकती है। इसलिए भारत को अपनी रक्षा शक्ति को व्यापक आधार पर मजबूत करना होगा। स्वदेशी रक्षा उत्पादन, अत्याधुनिक अनुसंधान, मजबूत सीमाई ढांचा, समुद्री सुरक्षा, वायु शक्ति और विश्वसनीय रणनीतिक प्रतिरोधक क्षमता पर लगातार निवेश आवश्यक है। किसी भी देश को सुरक्षा केवल बयानबाजी से नहीं बल्कि उसकी वास्तविक क्षमता से सुनिश्चित होती है। एसआईपीआरआई ने यह भी चेतावनी दी है कि दुनिया में परमाणु हथियारों के आधुनिकीकरण के साथ गलत आकलन और तनाव बढ़ने का खतरा भी बढ़ रहा है। इसलिए भारत के सामने चुनौती दोहरी है। उसे अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए पर्याप्त और विश्वसनीय सैन्य क्षमता बनाए रखनी है और साथ ही परमाणु टकराव के जोखिम को नियंत्रित रखने के लिए जिम्मेदार नीति भी अपनानी है।

रूस का विशाल परमाणु जखीरा, अमेरिका की व्यापक सैन्य क्षमता और चीन का तेजी से बढ़ता सामरिक ढांचा यह संकेत देता है कि आने वाला समय तकनीकी और रणनीतिक रूप से और अधिक प्रतिस्पर्धी होगा। भारत को इस बदलती दुनिया में अपनी सुरक्षा तैयारियों को मजबूत करते हुए आर्थिक शक्ति, तकनीकी आत्मनिर्भरता और सैन्य क्षमता तीनों को साथ लेकर चलना होगा। यही दीर्घकालीन राष्ट्रीय सुरक्षा की मजबूत आधारशिला बन सकती है।

(लेखक- कांतिलाल मांडोट)

बेलखाड़ू में धूमधाम से निकला गणेश विसर्जन चल समारोह, जयकारों से गुंजा नगर

रिमझिम बारिश के बीच युवाओं ने ढोल-नगाड़ों की धुन पर किया जमकर नृत्य, नम आंखों से दी विघ्नहर्ता को विदाई



बेलखाड़ू। गणेशोत्सव का पर्व बेलखाड़ू एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में श्रद्धा, उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। शनिवार को ग्राम में स्थापित प्रमुख गणेश प्रतिमाओं का भव्य विसर्जन चल समारोह निकाला गया। चल समारोह का शुभारंभ दादा दरबार कुटी आश्रम से हुआ, जो सिमरिया मोड़ होते हुए बेलखाड़ू चौराहा पहुंचा। इसके बाद चल समारोह ने समूचे बेलखाड़ू बस्ती का



भ्रमण किया। पिछले दो दिनों से हो रही बारिश के बीच रिमझिम फुहारों के बावजूद श्रद्धालुओं और युवाओं का उत्साह कम

नहीं हुआ। ढोल-धमाल और डीजे की धुन पर युवा जमकर थिरके। पूरे मार्ग में ‘गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ ‘ के जयकारे गुंजते रहे। जगह-जगह श्रद्धालुओं ने गणेश प्रतिमाओं की पूजा-अर्चना कर आरती की और भगवान गणेश का आशीर्वाद लिया सुबह आरती एवं पूजा-अर्चना के बाद विभिन्न गणेश उत्सव समितियों द्वारा एवं घरों में स्थापित भगवान का विसर्जन किया गया। इस दौरान



के लिए नदी, नहर एवं नाहन देवी स्थित नदी ले जाया गया, जहां विधि-विधान के साथ विसर्जन किया गया। इस दौरान



श्रद्धालुओं ने नम आंखों से विघ्नहर्ता को विदाई दी तथा अपने गांव, क्षेत्र, शहर और देश की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की प्रार्थना की।



क्षत्रिय सभा की बैठक में उठे अहम मुद्दे

गोसलपुर, यशभारत। गत दिवस गोसलपुर में क्षत्रिय सभा की बैठक में सामाजिक एकता के साथ-साथ कई अहम राष्ट्रीय मुद्दों पर भी चर्चा की गई बैठक में उपस्थित वक्ताओं ने अपने विचार रखते हुए कहा यूजीसी द्वारा लाए गए कथित बदलावों को वापस लेने (रोलबैक) की मांग पर चर्चा हुई एससी/एसटी एक्ट पर एक्ट के दुरुपयोग को रोकने के लिए इसमें संशोधन और न्यायसंगत समीक्षा की मांग रखी गई वक्ताओं ने कहा की आरक्षण का लाभ जाति के बजाय आर्थिक आधार पर दिया जाना चाहिए ताकि गरीब वर्ग के सभी लोगों को इसका लाभ मिल सके जबलपुर क्षत्रिय सभा के अध्यक्ष रज्जन सिंह बैस सहित सभी सामाजिक बंधुओं ने इन मुद्दों पर एकजुट होकर अपनी बात शासन-प्रशासन तक पहुंचाने का निर्णय लिया साथ ही बैठक में सामाजिक एकता और आपसी परिचय को मजबूत करने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई बड़ी संख्या में सामाजिक बंधु हुए शामिल.... बैठक में सरदार सिंह, श्याम सिंह, रामेश्वर सिंह, कुलदीप सिंह, मनोज सिंह भदौरिया, जनार्दन बघेल, विजय सिंह, पुष्पराज सिंह गजराज सिंह विज्ञान सिंह, संजय सेंगर, बहादुर सिंह, धर्मेन्द्र सिंह, राजकुमार सिंह, गनपत सिंह चौहान, आदर्श चौहान, संजु चौहान गोविंद सिंह पप्पू चौहान सहित कुकरई चन्नोटा छीतापाल, सुरेखा, सिमरिया, बंधा, खमरिया एवं गोसलपुर क्षेत्र से बड़ी संख्या में सामाजिक बंधु एकत्रित हुए सभी ने समाज में एकजुटता, सहयोग और युवा पीढ़ी को संस्कारों से जोड़ने पर अपने विचार रखे अंत में समाज के उत्थान के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया गया।

निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित



जबलपुर। 11वें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस एवं पोषण माह के अवसर पर श्रीमान जिला आयुष अधिकारी डॉ. सुरला चौहान के निर्देशानुसार आयुष विंग जिला चिकित्सालय में पदस्थ आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ. अनुपमा वर्मा द्वारा आंगनवाड़ी केन्द्र क्र. 119 स्वामी दयानन्द सरस्वती वार्ड में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया 7 जिसमें योग एवं ध्यान सत्र का आयोजन किया गया 7 साथ ही औषधीय पौधे नीम, एलोवेरा एवं तुलसी के महत्व को बताया गया और पौधे वितरित किए गए तथा गर्भवती महिलाओं, बालक बालिकाओं को उचित पोषण एवं स्वास्थ्य संबंधी परामर्श प्रदान किया गया ।

क्रोमा का नया स्टोर जबलपुर के तिलहरी में खुला, घरेलू उपकरणों पर पलैट 10% की आकर्षक छूट

जबलपुर: टाटा ग्रुप के एक सदस्य और भारत के भरोसेमंद ओमनी-चैनल इलेक्ट्रॉनिक्स रिटेलर क्रोमा ने जबलपुर के तिलहरी में अपना नया स्टोर खोलने की घोषणा की है। इस लॉन्च के साथ क्रोमा जबलपुर में अपनी मौजूदगी को और मजबूत करते हुए अपने ओमनी-चैनल शॉपिंग अनुभव को ग्राहकों के करीब ले आया है। अब जबलपुर में क्रोमा के कुल 3 स्टोर्स हो गए हैं। जबकि पूरे मध्य प्रदेश में इसकी संख्या 33 पर पहुंच गई है। यह विस्तार ब्रांड के प्रमुख बाजारों में से एक, मध्य प्रदेश में लगातार आगे बढ़ने की रणनीति को दर्शाता है।

जो हौसला उसने बेटी में भरा, वही बना उसका सहारा: इस डॉटर्स डे पर विलनिक प्लस का संदेश – बेटी होती है माँ की मजबूती

एजेंसी। ‘माँ की मजबूती नहीं, बेटी होती है माँ की मजबूती’ यही विचार विलनिक प्लस की नई फिल्म के केंद्र में है। डॉटर्स डे से ठीक पहले विलनिक प्लस माँ और बेटी के उस रिश्ते को सलाम करता है, जिसमें दोनों चुपचाप एक-दूसरे की ताकत बन जाती हैं। भारतीय घरों में माँएँ हमेशा से अपनी बेटियों को अपने हक के लिए खड़े होना और अपनी आवाज पहचानना सिखाती आई हैं – जबकि उनसे खुद उम्मीद की जाती है कि वे चुप रहें, समझौते करें और अपने हिस्से की तकलीफ़ें खामोशी से सह लें। लेकिन जो बाकी दुनिया से छूट जाता है, बेटी वही देख लेती है। वह अपनी माँ के अनकहे त्याग को सहज ही पढ़ लेती है और मुश्किल घड़ी में उसके संयम को आत्मसात कर लेती है। यह फिल्म आज की बेटी को सिर्फ़ पानी-पोसी जाने वाली संतान के रूप में नहीं, बल्कि अपनी माँ के सबसे बड़े सहारे के रूप में सामने रखती है – एक ऐसी हमराज, जिसकी संवेदनशीलता, खामोश मौजूदगी और भरोसा माँ को आगे बढ़ने और खुद को चुनने का हौसला देता है। फिल्म की कहानी एक पुस्तक विमोचन समारोह के इवेंट-शिर्द बुनी गई है, जहाँ एक लेखिका अपने ही जीवन से निकली कहिताओं का संग्रह लेकर सामने आती है। जब उससे पूछा जाता है कि उसके लेखन की प्रेरणा कौन है, तो माँ बस अपनी बेटी की ओर इशारा कर देती है। यहीं से कहानी बचपन के एक पल में लौटती है, जब नन्ही बच्ची दो चोटियों की जगह एक ही चोटी बनवाने की खिद करती है – और यहीं से वह बुनियादी रूपक गढ़ा जाता है कि असली मजबूती भीतर से आती है। जैसे-जैसे साल बीतते हैं, दोनों का रिश्ता खामोश गिरगली से बढ़कर सक्रिय साथ में बदल जाता है।

ग्राम पंचायत सालीवाड़ा में ‘पेयजल एटीएम’ का शुभारंभ



एटीएम) की नवीन प्रणाली का भव्य शुभारंभ किया गया। इस अत्याधुनिक पेयजल केंद्र का उद्घाटन जबलपुर कलेक्टर माननीय श्री राघवेंद्र सिंह जी तथा जिला पंचायत जबलपुर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (इश्वाह) श्री अभिषेक गहलौत जी की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ।कार्यक्रम के दौरान ग्राम पंचायत के सरपंच श्री सौरव राय जी तथा उपसरपंच श्रीमती रानू ठाकुर जी ने अतिथियों का स्वागत किया। पेयजल एटीएम की शुरुआत से अब गांव के प्रत्येक नागरिक को सुलभता से शुद्ध और सुरक्षित पीने का पानी मिल सकेगा, जिससे जल जनित बीमारियों पर अंकुश लगेगा और ग्रामीणों के स्वास्थ्य में सुधार आएगा।इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में मौजूद रहे, जिनमें मुख्य रूप से श्री नीरज गर्ग, राजेश तिवारी, सुभाष ठाकुर जी, नंदकिशोर राजक जी, श्री सीताराम ठाकुर जी, श्री महगु बर्मन जी, श्रीमती मालती राजक जी, श्रीमती सोनिया पटेल जी, श्रीमती अंजना महोबिया जी, दादा गणपत बर्मन जी एवं श्री राहुन श्रीपाल जी उपस्थित थे। ग्रामीणों ने गांव में इस आधुनिक पेयजल सुविधा के शुरू होने पर हर्ष व्यक्त किया।

वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने पर सरस्वती शिशु मंदिर में हुआ सामूहिक गान



गोसलपुर, यशभारत। वंदे मातरम गीत के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 25 सितंबर को सरस्वती शिशु मंदिर गोसलपुर में भव्य सामूहिक गान कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम में निर्यत समय सुबह 11 बजे वंदे मातरम गीत का सामूहिक गायन प्रारंभ हुआ जो लगभग 6 मिनट तक चला ग्राम के सभी विद्यालयों के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं सरकारी संस्थाओं



के कर्मचारियों ने एक स्वर में वंदे मातरम का गायन कर देशभक्ति का परिचय दिया कार्यक्रम में दिलीप पटेल संस्था प्रधान श्रीमती रजनी विश्वकर्मा, प्रियंका तंतुवाय जे.एल. गुप्ता स्थानीय जन प्रतिनिधि गण,सहित समस्त विद्यालयों के शिक्षक-शिक्षिकाएं पुलिस थाना, स्टेट बैंक, शासकीय अस्पताल के कर्मचारी सहित ग्राम की सभी शासकीय संस्थाएं उपस्थित रही।

रजत पालकी में विराजमान होकर निकले श्री जी

कटंगी यशभारत। दशलक्षण महापर्व के समापन अवसर पर आज पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर से बजरिया मंदिर तक रजत पालकी में श्री जी की भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया।शोभायात्रा में ‘नील गगन में एक सितारा, आचार्य श्री को नमन हमारा, जियो और जीने दो, अहिंसा परमो धर्म की जय, केसरिया केसरिया आज हमारे रंग केसरिया’ जैसे जयकारों ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।दशलक्षण पर्व के समापन दिवस पर इंदौर से पधारी ब्रह्मचारिणी दीदी ने अपने प्रवचन में बताया कि दशलक्षण पर्व में सभी लोग आत्म शुद्धि करते हैं। शरीर रूपी सुंदरता कुछ दिन की रहती है, सभी को चरित्र रूपी सुंदर होना चाहिए। गुरु की आज्ञा सबसे महत्वपूर्ण है, गुरु आज्ञा का पालन हमेशा करना चाहिए, क्योंकि गुरु



राजकुमार बड़कुल को प्राप्त हुआ। इस अवसर पर प्रथम शांतिधारा का सौभाग्य प्रमोद कुमार, सिद्धांत कुमार, द्वितीय शांतिधारा का सौभाग्य मगन कुमार, आशीष बड़कुल, अभिषेक बड़कुल एवं तृतीय शांतिधारा का सौभाग्य सुरेश चंद्र, दीपक, वीरेंद्र बगनाव परिवार को प्राप्त हुआ।

लोकतंत्र सेनानी बेड़ी लाल को राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई

बरेला, यशभारत। बरेला नगर ने लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष करने वाले अपने एक सेनानी को नम आंखों से अंतिम विदाई दी। लोकतंत्र सेनानी एवं मीसा बंदी बेड़ी लाल साहू का निधन हो गया, जिसके बाद शुक्रवार को उनका अंतिम संस्कार पूरे राजकीय सम्मान के साथ किया गया। उनकी अंतिम यात्रा में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, पुलिस अधिकारियों और बड़ी संख्या में नगरवासियों ने शामिल होकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। अंतिम यात्रा के दौरान माहौल भावुक नजर आया और लोगों ने उनके योगदान को याद करते हुए उन्हें अंतिम विदाई दी। अंतिम संस्कार



के दौरान बरेला तहसीलदार राजेश मिश्रा, नगर परिषद अध्यक्ष प्रतीक दुबे, सीएमओ संजय पांडे, बरेला थाना प्रभारी संगीता सिंह, भाजपा मंडल अध्यक्ष अर्पित जैन सहित पार्षद चंदन सिंह पटेल, अखिलेश राैक्वार, मैसी विश्वकर्मा, अमित विश्वकर्मा पटवारी संतोष राय, मुन्ना दुबे, अर्पित दुबे समेत अन्य जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। सभी ने लोकतंत्र सेनानी बेड़ी लाल साहू को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके निधन पर शोक व्यक्त किया और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

बरेला परिक्षेत्र में सेवा संकल्प अभियान के तहत भाषण एवं चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित



बरेला, यशभारत। पीएम श्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सालीवाड़ा गौर में दिनांक 24/09/2026 को जन शिक्षा केंद्र सालीवाड़ा गौर, जन शिक्षा केंद्र धनपुरी, जन शिक्षा केंद्र बरेला जन शिक्षा केंद्र नई नाला के छात्र-छात्राओं की भाषण एवं चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए अपनी प्रतिभा एवं रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के निर्णायक के रूप में श्रीमती सुधा पाटकर भूपूर्व प्राचार्य मानेगांव, श्री राम गोपाल दास मोगरे भूपूर्व सहायक शिक्षक एवं श्री अखिलेश मिश्रा व्याख्याता रहे 7 कार्यक्रम श्रीमती आभा वानखेड़े श्वह सालीवाड़ा गौर के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। आयोजन में श्रीमती संगीता तिवारी, श्रीमती शिल्पा तंतुवाय, श्रीमती चंचल सक्सेना, श्रीमती रश्मि दुबे एवं श्री दीपांशु पाठक का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

भाषण प्रतियोगिता के परिणाम

भाषण प्रतियोगिता में कुल 28 छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की। प्रतियोगिता में निम्न विद्यार्थियों ने

स्थान प्राप्त किया प्रथम स्थान: माही श्रीपाल – पीएम श्री सालीवाड़ा गौर द्वितीय स्थान: अंशुल कुशवाहा – पीएम श्री सालीवाड़ा गौर तृतीय स्थान: प्राची यादव – शा.उ.मा. विद. कैलवास चतुर्थ स्थान: तनिष्क अग्रवाल – क्राइस्ट चर्च को-एड स्कूल सालीवाड़ा गौर पंचम स्थान: लक्ष्य वर्मा – इंडियन पब्लिक स्कूल चित्रकला प्रतियोगिता में 13 छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की प्रतियोगिता में निम्न विद्यार्थियों ने स्थान प्राप्त किया प्रथम स्थान: वैष्णवी कुशवाहा – पीएम श्री सालीवाड़ा गौर द्वितीय स्थान: विशाखा मरावी – एकीकृत शा. मा. शाला सिलपुरी, धनपुरी तृतीय स्थान: अनुष्का जैन – क्राइस्ट चर्च को-एड स्कूल सालीवाड़ा गौर चतुर्थ स्थान: आराध्या परिहार – विडस स्कूल पंचम स्थान: वैनवी मसराम – क्राइस्ट चर्च को-एड स्कूल सालीवाड़ा गौर भाषण एवं चित्रकला प्रतियोगिता में चयनित छात्र/ छात्राएं दिनांक 26/09/2026को जिला स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे 7 कार्यक्रम के सफल आयोजन में विद्यालय के समस्त शिक्षक एवं सहयोगी स्टाफ का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

एक दूसरे के प्रति सच्चे मन से क्षमा करना क्षमापना कहलाता है : निर्दोष सागर

पनागर, यशभारत। दस लक्षण धर्म की समापन के बाद आज संपूर्ण जैन समाज ने पूज्य मुनि 108 निर्दोष सागर जी महाराज एवं समस्त मुनि संघके सानिध्य में श्री नेमिनाथ बाजार जैन मंदिर जी में क्षमावाणी पर्व मनाया इस अवसर पर पूज्य गुरु जी ने कहा कि क्रोध को छोड़ना और क्षमता को अपनाना सच्चा क्षमा धर्म है प्रत्येक श्रावक को दोस्तों अपनी परिचितों से रिश्तेदारों से क्षमा वाणी बाद में मांगना चाहिए पहले अपने विरोधियों से जिनसे हमारी कोई बैर विरोध है हमें उन लोगों से पहले क्षमा मांगना चाहिए जो हमें अपराध से छोड़कर मुक्ति की ओर अग्रसर करेगा क्रोधी व्यक्ति का कई सम्मान नहीं होता है हां जो क्षमता धारण करता है दूसरों को क्षमा करता है यह समाज यह संसार उसका शाल श्रीफल से स्वागत करता है उसका सम्मान करता है इस अवसर पर पूज्य मुनि श्री 108 निर्दोष सागर महाराज जी ने भी कहाकि जिसके अंदर क्षमा नहीं होगी उसके अंदर धर्म नहीं आ सकता बिना क्षमा धारण किए मनुष्य मुक्ति की राह पर नहीं जा सकता दुश्मनी मिटाने का एक ही फार्मूला है कि हमें अपने दुश्मन को देखकर मुस्कुराते हुए उसको भी क्षमा करें उससे भी क्षमा मागे या क्षमा दोनों और से ही सार्थक सिद्ध होती है लेकिन हमें कोई व्यक्ति क्षमता नहीं कर रहा है और हम क्षमा मांगते रहेंगे तो निश्चित आज नहीं चल नहीं आने वाले दिनों में आप सफल होंगे और आपके अंदर मुक्ति की राह मिलेगी आज कार्यक्रम के पूर्व बाजार जैन मंदिर की में क्षमा वाणी पर भगवान का पूजन अभिषेक शांति धारा की गई कार्यक्रम का संचालन राजेश जैन कटंगा ने किया।



दो मिनट में भारत को दो पदक, इन 5 शूटरों ने किया कमाल



नागोया, एजेंसी। एशियन गेम्स-2026 में शुक्रवार को भारत ने महज दो मिनट में दो पदक जीते। पहले 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन टीम स्पर्धा में ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर, रुद्राक्ष पाटिल और नीरज कुमार ने रजत पदक जीता। इसके तुरंत बाद सुरुचि सिंह और कमलजीत की जोड़ी ने 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक अपने नाम किया। शूटिंग में भारत के अब तक 10 पदक हो चुके हैं।

कमलजीत

हरियाणा के रेवाड़ी के रहने वाले कमलजीत ने चोट के कारण एथलेटिक्स छोड़ने के बाद 2019 में शूटिंग शुरू की। आर्थिक परेशानियों के बावजूद उन्होंने अपना सफर जारी रखा। 2023 में जूनियर विश्व चैंपियनशिप में 50 मीटर पिस्टल में स्वर्ण जीतकर पहचान बनाई।



सुरुचि सिंह

हरियाणा के झज्जर की सुरुचि ने 13 साल की उम्र में शूटिंग शुरू की। 2025 में उन्होंने तीन आईएसएसएफ विश्व कप में लगातार व्यक्तिगत स्वर्ण जीते। 2026 में भी उन्होंने विश्व कप स्वर्ण और एशियन चैंपियनशिप में रजत पदक जीता।

नीरज कुमार

50 मीटर राइफल 3 पोजीशन के विशेषज्ञ नीरज ने 2022 विश्व चैंपियनशिप में टीम कांस्य जीता। 2026 एशियन चैंपियनशिप में उन्होंने व्यक्तिगत रजत पदक हासिल किया और टीम स्वर्ण में भी योगदान दिया।

रुद्राक्ष पाटिल

महाराष्ट्र के रुद्राक्ष 10 मीटर एयर राइफल के विशेषज्ञ हैं। 2022 विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण जीतकर वह अभिनव बिंद्रा के बाद इस स्पर्धा में व्यक्तिगत विश्व खिताब जीतने वाले दूसरे भारतीय बने। इसी प्रदर्शन के बाद उन्हें विश्व नंबर-1 रैंकिंग भी मिली।

ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर

मध्य प्रदेश के खरगोन जिले के ऐश्वर्य ने अपने चचेरे भाई और ओलंपियन नवदीप सिंह राठौर को देखकर शूटिंग शुरू की। 2019 में जूनियर विश्व कप में स्वर्ण के साथ जूनियर विश्व रिकॉर्ड बनाया।

एशियन गेम्स- भारतीय विमेंस हॉकी टीम सेमीफाइनल में जापान को 3-1 से हराया, टीम की लगातार चौथी जीत

नागोया, एजेंसी। भारतीय विमेंस हॉकी टीम ने एशियन गेम्स में जापान को 3-1 से हराकर सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली। नागोया के गिफू प्रिफेक्चुरल ग्रीन स्टेडियम में खेले गए पूल-बी के मुकाबले में भारत ने लगातार चौथी जीत दर्ज की। टीम 12 पॉइंट्स के साथ दूसरे स्थान पर है। लालरेमसियामी ह्माजोंटे, इशिका चौधरी और नवनीत कौर ने भारत के लिए गोल किए, जबकि जापान की ओर से शिहो कोबायाकावा ने एक गोल किया।

लालरेमसियामी ने दिलाई बढ़त- भारत ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। पहले क्वार्टर में नवनीत कौर ने गोल की कोशिश की, लेकिन जापानी गोलकीपर यू कुडो ने उनके शॉट को रोक दिया। गोलकीपर के रोकने के बाद गेंद वापस मैदान में आई। इसी गेंद पर लालरेमसियामी ने सबसे पहले पहुंचकर उसे गोलपोस्ट में डाल दिया और भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। जापान ने पहले क्वार्टर में बराबरी की कोशिश की। उसे पेनल्टी कॉर्नर भी मिला, लेकिन भारतीय कप्तान और गोलकीपर सविता पुनिया ने माहो उड़ाने के प्रयास को रोक दिया।



इशिका के गोल से भारत 2-0 आगे, नवनीत ने बढ़त 3-0 की- भारत ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। पहले क्वार्टर में नवनीत कौर ने गोल की कोशिश की, लेकिन जापानी गोलकीपर यू कुडो ने

उनके शॉट को रोक दिया। गोलकीपर के रोकने के बाद गेंद वापस मैदान में आई। इसी गेंद पर लालरेमसियामी ने सबसे पहले पहुंचकर उसे गोलपोस्ट में डाल दिया और भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। जापान ने पहले

मुंबई इंडियंस के नये मुख्य कोच बने ल्यूक विलियम्स

मुंबई (ईएमएस)। मुंबई इंडियंस ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के 2027 सत्र के लिए ल्यूक विलियम्स को नया मुख्य कोच बनाया है। विलियम्स पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर लिसा केइटली की जगह कोच बनाये गये हैं। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में मुंबई इंडियंस ने अब तक महिला लीग के चार में से दो सत्र जीते हैं, जिससे यह फ्रेंचाइजी लीग की सबसे सफल टीमों में से एक बनी हुई है। अब उसे नये कोच से इस सिलसिले को आगे बढ़ाते रहने की उम्मीद है। मुंबई इंडियंस ने आधिकारिक तौर पर विलियम्स को सत्र से पहले टीम का नया मुख्य कोच घोषित किया। फ्रेंचाइजी ने अपने बयान में बताया, मुंबई इंडियंस ने घोषणा की है कि लिसा ने टीम के हेड कोच पद से हटने का फैसला किया है। उनकी जगह 2027 महिला प्रीमियर लीग सीजन से पहले ल्यूक विलियम्स को नया मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर लिसा केइटली ने फ्रेंचाइजी के साथ अपने कार्यकाल को समाप्त करने का निर्णय लिया। मुंबई इंडियंस ने उनके योगदान के लिए उन्हें धन्यवाद दिया और भविष्य के लिए शुभकामनाएं व्यक्त कीं। वहीं मुंबई इंडियंस की सह-मालकिन नीता एम अंबानी ने ल्यूक विलियम्स का मुंबई इंडियंस परिवार में स्वागत करते हुए अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा, हम ल्यूक विलियम्स का मुंबई इंडियंस परिवार में स्वागत करते हुए बेहद खुश हैं। ल्यूक ने



खुद को एक सफल कोच साबित किया है और उनके पास काफी अनुभव, महिला क्रिकेट की गहरी समझ और खिलाड़ियों के विकास के लिए मजबूत प्रतिबद्धता है। अंबानी ने विलियम्स के मार्गदर्शन और हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में टीम के भविष्य पर भरोसा जताया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि विलियम्स के मार्गदर्शन और हरमनप्रीत की कप्तानी में टीम अपनी गौरवशाली विरासत को आगे बढ़ाएगी, बड़ी उपलब्धियां हासिल करेगी और युवा लड़कियों को प्रेरित करती रहेगी।

वहीं नए मुख्य कोच ल्यूक विलियम्स ने मुंबई इंडियंस जैसी प्रतिष्ठित फ्रेंचाइजी से जुड़ने पर उत्साह व्यक्त किया। उन्होंने कहा, मैं मुंबई इंडियंस जैसी प्रतिष्ठित और सफल संस्था से जुड़कर और खिलाड़ियों तथा सपोर्ट स्टाफ के इस प्रतिभाशाली समूह के साथ काम करके बेहद उत्साहित हूं।

रंग संसार

परिणीति ने महिलाओं की बॉडी-शेमिंग करने वाले ट्रोल्स को दिया करारा जवाब



हाल ही में अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा ने महिलाओं की बॉडी-शेमिंग करने वाले ट्रोल्स को करारा जवाब दिया है। पोस्टपार्टम के दौरान महिलाओं के शरीर में होने वाले बदलावों को लेकर होने वाली चर्चा को अभिनेत्री ने अजीब बताया और सवाल उठाया कि उन्हें इसका सामना क्यों करना पड़ता है। परिणीति ने कहा, मैं इस पर ध्यान नहीं देती क्योंकि मैं इसे देखती ही नहीं हूँ। सच कहूँ तो मुझे इसके बारे में पता भी नहीं चलता, क्योंकि मैं सोशल मीडिया पर ज्यादा समय बिताती ही नहीं हूँ और अगर कभी पता चल भी जाए तो इससे मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। उन्होंने अपनी जिंदगी के प्रति अपनी सच्चाई पर जोर देते हुए कहा, मैं अपनी लाइफ को लेकर बहुत सच्ची हूँ, मैं अपने समय, परिवार, दोस्तों और अपनी खुद की जिंदगी को लेकर सच्ची हूँ। अभिनेत्री ने बताया कि वे सोशल मीडिया ट्रोल्स से परेशान नहीं होती हैं। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा, मैं उन अनजान लोगों की बातों से परेशान नहीं होने वाली जो मेरे बारे में बात करते हैं। इसका मुझसे कोई लेना-देना नहीं है और मेरे पास इसके लिए समय भी नहीं है। पोस्टपार्टम में वजन बढ़ने को लेकर कैटरिना कैफ की ट्रोлинг पर परिणीति ने इस तरह की टिप्पणियों को अनपढ़े वाली बताया। उन्होंने आश्चर्य जताते हुए कहा, 2026 में भी महिलाओं को बॉडी शेम किया जाता है तो मुझे ये बहुत ही अनपढ़ता वाली और अजीब बात लगती है कि खासकर उन महिलाओं के बारे में बात की जाती है जो अभी मां बनी हैं। मैं समझ नहीं पाती कि ऐसा क्यों होता है।

छठी मैया गाने में मेकर्स ने हर चीज का रखा ध्यान: तमन्ना भाटिया

मुंबई (यशभारत)। अपनी आगामी फिल्म द वन - फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट में अभिनेत्री तमन्ना भाटिया नजर आने वाली हैं। बीते दिनों रीलज हुआ इस फिल्म का छठ पूजा स्पेशल गाना छठी मैया (बोले तो छठी मइया सुनीं लीं चिनती हमार) दर्शकों के बीच खूब सराहा जा रहा है। तमन्ना भाटिया इस गाने में पारंपरिक लुक में नजर आ रही हैं और उन्हें मिल रहे अपार प्रेम से वे बेहद खुश हैं। अभिनेत्री ने बताया कि इस फिल्म के जरिए हिंदी सिनेमा में पहली बार इस त्योहार को इतने सम्मान और सच्चाई के साथ मनाया जा रहा है। तमन्ना ने फिल्म के मेकर्स की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने हर छोटी-बड़ी बात का ध्यान रखा है और इस त्योहार को पूरी सच्चाई व संवेदनशीलता के साथ दिखाया है। ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान अभिनेत्री ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा, हिंदी सिनेमा में पहली बार छठ पूजा को इस तरह से पेश किया जा रहा है। सच कहूँ तो दीपक और अरुणाभ सर इसे बहुत अच्छे से समझते हैं, क्योंकि उनके मन में इसके लिए बहुत सम्मान है। शूटिंग के दौरान



उन्होंने हर चीज का ध्यान रखा और इसे बहुत ही खूबसूरती और सम्मान के साथ शूट किया गया। तमन्ना भाटिया ने छठ के महत्व पर जोर देते हुए बताया कि उनके लिए भी यह त्योहार बहुत मायने रखता है। उन्होंने यह भी कहा कि गाने में इसके सार और भावनाओं को कितनी खूबसूरती से दिखाया गया है। अभिनेत्री ने आगे कहा, छठ पूजा आभार का प्रतीक है। हमारे पास जो कुछ भी है, यह त्योहार उसके प्रति शुक्रगुजार होने का त्योहार है। तमन्ना ने इस गाने का हिस्सा बनाने के लिए मेकर्स का शुक्रिया अदा करते हुए कहा, तो, मुझे इसका हिस्सा बनाने के लिए

आपका शुक्रिया। अभिनेत्री ने बताया कि छठी मइया का यह गाना हर किसी का ध्यान खींच रहा है और सोशल मीडिया पर इसे सकारात्मक प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं। उन्होंने फिल्म की अवधारणा पर भी बात की, यह फिल्म हम सभी के लिए बहुत खास है। हमारे देश में बहुत सारी लोक कहानियां हैं और उन्हें बड़े पर्दे पर लाने के लिए बहुत हिम्मत, स्पष्टता और विजन की जरूरत होती है। फिल्म द वन - फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट में सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया पहली बार एक साथ काम कर रहे हैं। इनके अलावा, फिल्म में मनीषा पॉल, श्वेता तिवारी, सुनील शोहर और अनूप सोनी भी अहम भूमिकाओं में हैं।



महज कुछ छोटे क्लिप्स देखकर कोई राय न बनाएं: जेबा



हाल ही में बिग बॉस-20 के कंटेस्टेंट आसिफ खान की पत्नी जेबा ने उनके और शो की साथी कंटेस्टेंट लव गिल की बढ़ती कथित नजदीकियों को लेकर चुप्पी तोड़ी है। सोशल मीडिया पर जेबा ने लोगों से अपील की है कि वे महज कुछ छोटे क्लिप्स देखकर कोई राय न बनाएं, बल्कि 24 घंटे की लाइव फीड देखकर ही किसी नतीजे पर पहुंचें। दरअसल, बिग बॉस के घर के अंदर से आसिफ और लव के कुछ वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुए थे, जिसके बाद कुछ लोगों ने उनकी दोस्ती पर सवाल उठाए और कयास लगाए कि इससे आसिफ की शादी पर असर पड़ सकता है। इन अटकलों और ट्रोлинг से आहत जेबा ने इंस्टाग्राम पर एक लंबा नोट साझा किया, जिसमें उन्होंने लोगों को गलत धारणाएं बनाने से परहेज करने की बात कही और स्थिति स्पष्ट की। जेबा ने अपने नोट में लिखा, आसिफ की पत्नी होने के नाते मैं ये बात साफ करना चाहती हूँ कि जो लोग मेरे पति के बारे में अलग-अलग कहानियां बना रहे हैं। मैं खासतौर पर शो के कुछ खास पलों और हमारी शादी पर उठ रहे सवालों की बात कर रही हूँ। उन्होंने सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे छोटे-छोटे क्लिप्स पर भरोसा करने पर अपनी नाराजगी जाहिर की और कहा, प्लीज सोशल मीडिया पर चल रहे कुछ क्लिप्स को देखकर जज मत कीजिए, 24गुणा7 लाइव फीड देखिए।

अवॉर्ड्स की मेजबानी करना सम्मान की बात: पंकज त्रिपाठी

मुंबई (यशभारत)। आईआईएफए डिजिटल अवॉर्ड्स 2027 में बॉलीवुड अभिनेता पंकज त्रिपाठी पहली बार होस्ट के तौर पर नजर आने वाले हैं। इस बारे में अभिनेता ने कहा कि अपने पूरे करियर में उन्होंने दूसरों के किरदारों को जिया है, लेकिन आईआईएफए डिजिटल अवॉर्ड्स की मेजबानी करना एक रोमांचक और सम्मानजनक अवसर है।

उन्होंने अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हुए कहा, एक एक्टर के लिए कुछ पल ऐसे होते हैं जो थोड़ी ज्यादा घबराहट और बहुत सारी खुशी लेकर आते हैं और पहली बार आईआईएफए डिजिटल अवॉर्ड्स को होस्ट करना उन्हीं में से एक है। उन्होंने बताया कि कैमरे के सामने किरदारों के जरिए कहानियां सुनाते हुए उन्होंने अपना अधिकांश सफर तय किया है, इसलिए आईआईएफए जैसे प्रतिष्ठित मंच पर एक बिल्कुल अलग भूमिका में आना उनके लिए बेहद उत्साहजनक और सम्मान की बात है। अभिनेता ने आगे कहा कि किसी अवॉर्ड शो को होस्ट करने का यह उनका पहला अनुभव होगा, जो इस पल को उनके लिए और भी खास बनाता है। पंकज त्रिपाठी डिजिटल दुनिया के तेजी से



जिम्मेदारी के साथ न्याय कर पाएंगे। इंटरनेशनल इंडियन फिल्म एकेडमी अवॉर्ड्स (आईआईएफए) के आगामी संस्करण में डिजिटल और मुख्य अवॉर्ड सेरेमनी के लिए दो जोड़े होस्ट होंगे। पंकज त्रिपाठी और अली फजल आईआईएफए डिजिटल अवॉर्ड्स 2027 की मेजबानी करेंगे, जबकि करण जोहर और वरुण धवन आईआईएफए अवॉर्ड्स 2027 को होस्ट करेंगे।

बढ़ते प्रभाव को भी स्वीकार करते हैं। उन्होंने कहा, डिजिटल दुनिया ने कहानियां बनाने, खोजे जाने और पसंद किए जाने के तरीके को बदल दिया है और आईआईएफए का इस नई पीढ़ी को पहचान देना बहुत मायने रखता है। इतने सारे प्रतिभाशाली कलाकारों और क्रिएटर्स के साथ इस जर्नन का हिस्सा बनना उनके लिए गौरव की बात है। पंकज त्रिपाठी का मानना है कि आईआईएफए ने हमेशा ही भारतीय सिनेमा को विश्व मंच पर प्रस्तुत किया है। उन्होंने अपनी बात दोहराते हुए कहा, आईआईएफए हमेशा से भारतीय सिनेमा को दुनिया भर के दर्शकों तक लेकर गया है और मैं भी जोश, गर्मजोशी और थोड़े से ह्यूमर के साथ आईआईएफए डिजिटल अवॉर्ड्स 2027 के मंच पर आने के लिए उत्सुक हूँ। वे स्ट्रेज के दूसरी तरफ से आईआईएफए के जादू को महसूस करने का इंजान नहीं कर सकते और उम्मीद करते हैं कि वे अपनी जिम्मेदारी के साथ न्याय कर पाएंगे। इंटरनेशनल इंडियन फिल्म एकेडमी अवॉर्ड्स (आईआईएफए) के आगामी संस्करण में डिजिटल और मुख्य अवॉर्ड सेरेमनी के लिए दो जोड़े होस्ट होंगे। पंकज त्रिपाठी और अली फजल आईआईएफए डिजिटल अवॉर्ड्स 2027 की मेजबानी करेंगे, जबकि करण जोहर और वरुण धवन आईआईएफए अवॉर्ड्स 2027 को होस्ट करेंगे।



जमकर बरस रहे विदा लेते बदरा

जबलपुर, यश भारत। विदाई की ओर बढ़ रहे मानसून ने एक बार फिर शहर में बारिश का दौर शुरू कर दिया है। गुरुवार रात से शुरू हुई बारिश शुरू बार के बाद शनिवार को भी रुक-रुककर होती रही। बारिश के कारण मौसम ठंडा हो गया और तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई।

मौसम विभाग के अनुसार विदर्भ और पूर्वी मध्यप्रदेश के आसपास बने मौसम तंत्र के प्रभाव से क्षेत्र में बादल छाए हुए हैं और बारिश हो रही है। महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ के ऊपर बने कम दबाव के क्षेत्र के कारण अगले एक-दो दिन तक मौसम इसी तरह बने रहने की संभावना है। पिछले 24 घंटों में शहर में 33.6 मिमी यानी करीब सवा इंच बारिश दर्ज की गई। अधिकतम

तापमान 25.1 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से करीब 7 डिग्री कम है। वहीं न्यूनतम तापमान 22.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से एक डिग्री कम रहा। सुबह और शाम हवा में नमी 96 प्रतिशत रही। इस मानसून सीजन में 1 जून से अब तक कुल 811.7 मिमी यानी करीब 32 इंच वर्षा दर्ज हो चुकी है। पिछले वर्ष इसी अवधि में कुल 116.8 मिमी वर्षा दर्ज की गई थी। शुक्रवार को उत्तर-पश्चिमी हवाएं 5 से 6 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलतीं। मौसम विभाग के अनुसार अगले 24 घंटों में संभाग के कुछ हिस्सों में गरज-चमक के साथ बारिश होने की संभावना है। मानसून की विदाई के साथ अगले कुछ दिनों में बारिश का दौर कमजोर होने और मौसम में ठंडक बढ़ने की संभावना जताई गई है।

बरगी बांध के 9 गेट खुले, नर्मदा में 2714 क्यूमेक पानी छोड़ा

जलग्रहण क्षेत्र में बारिश से बढ़ी पानी की आवक, नर्मदा घाटों पर 6 से 8 फीट तक बढ़ सकता है जलस्तर

जबलपुर, यश भारत। बरगी बांध के जलग्रहण क्षेत्र में पिछले दिनों हुई बारिश के बाद बांध में पानी की आवक लगातार बढ़ रही है। बढ़ती आवक को देखते हुए बांध की सुरक्षा और जलस्तर को नियंत्रित रखने के लिए जल निकासी बढ़ा दी गई है। शनिवार सुबह 11 बजे से बरगी बांध के सात और जलद्वार खोले गए। इसके साथ ही बांध के कुल 9 गेट खुले हैं और इनसे औसतन 1.83 मीटर की ऊंचाई से करीब 2714 क्यूमेक पानी नर्मदा नदी में छोड़ा जा रहा है।

बांध प्रबंधन के अनुसार वर्तमान में बांध में पानी की आवक करीब 941 क्यूमेक बनी हुई है। इससे पहले शुक्रवार शाम 6 बजे छह गेट खोले गए थे। इसके बाद जलग्रहण क्षेत्र में हुई बारिश और पानी की बढ़ती आवक को देखते

हुए शनिवार को सात और गेट खोलकर जल निकासी बढ़ाई गई। फिलहाल बारिश की स्थिति स्थिर बताई जा रही है, लेकिन बांध में पानी की आवक पर लगातार नजर रखी जा रही है।

आवक के अनुसार घट-बढ़ सकती है जल निकासी

बांध प्रबंधन ने स्पष्ट किया है कि जलग्रहण क्षेत्र से बांध में आने वाले पानी की मात्रा के अनुसार जल निकासी को कभी भी घटाया या बढ़ाया जा सकता है। यदि पानी की आवक बढ़ती है तो बांध से अधिक पानी छोड़ा जा सकता है, वहीं आवक कम होने पर जल निकासी भी कम की जा सकती है। बांध के जलस्तर और पानी की आवक की लगातार निगरानी की जा रही है।



घाटों पर बढ़ेगा नर्मदा का जलस्तर

बरगी बांध से बड़ी मात्रा में पानी नर्मदा नदी में छोड़े जाने के कारण नदी के जलस्तर में वृद्धि होगी। अनुमान के अनुसार नर्मदा के विभिन्न घाटों पर वर्तमान जलस्तर की तुलना में करीब 6 से 8 फीट तक पानी बढ़ सकता है। इससे निचले इलाकों और नदी के किनारे स्थित घाटों पर पानी का दबाव बढ़ने की संभावना है।

लोगों से दूरी बनाए रखने अपील

बांध से पानी छोड़े जाने के कारण नर्मदा नदी का जलस्तर बढ़ने की संभावना को देखते हुए आम लोगों से घाटों और नदी के तटीय क्षेत्रों से सुरक्षित दूरी बनाए रखने की अपील की गई है। विशेष रूप से निचले घाटों और नदी के किनारे जाने वाले लोगों

को सावधानी बरतने की सलाह दी गई है, ताकि बढ़ते जलस्तर के कारण किसी तरह की अप्रिय स्थिति न बने। बांध प्रबंधन ने लोगों से नदी में उतरने और जलस्तर बढ़ने वाले क्षेत्रों के आसपास जाने से बचने का आग्रह किया है। पानी की स्थिति में होने वाले बदलाव के अनुसार आगे भी गेटों की स्थिति और जल निकासी में बदलाव किया जा सकता है।

कौशल विकास एवं रोजगार राज्य मंत्री डॉ. टेटवाल जबलपुर पहुंचे, कृषि विवि के कार्यक्रम में हुए शामिल

जबलपुर, यशभारत। प्रदेश के कौशल विकास एवं रोजगार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. गौतम टेटवाल शनिवार को जबलपुर प्रवास पर पहुंचे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार भोपाल से सड़क मार्ग द्वारा जबलपुर आगमन के बाद उन्होंने सर्किट हाउस में पार्टी कार्यक्रमों से

आत्मीय मुलाकात की। तत्पश्चात, मंत्री डॉ. टेटवाल जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय (JNKVV) के सभागार में आयोजित पूर्व छात्र सम्मेलन में शामिल हुए। समाचार लिखे जाने तक मंत्री जी कृषि विश्वविद्यालय पहुंच चुके थे और उन्होंने कार्यक्रम में सहभागिता करते हुए पूर्व छात्रों व उपस्थित जनों को संबोधित किया।

कार्यक्रम में शामिल होने के बाद डॉ. टेटवाल दोपहर में जबलपुर से वापस भोपाल के लिए कार द्वारा रवाना होंगे। उनके इस अल्पप्रवास के दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों और विश्वविद्यालय प्रबंधन की गरिमामयी उपस्थिति रही।

जबलपुर में मध्य प्रदेश राज्य सब-जूनियर चेस चैंपियनशिप का तीसरा राउंड संपन्न



जबलपुर, यशभारत। डिस्ट्रिक्ट चेस एसोसिएशन, जबलपुर द्वारा आयोजित 'एमपी स्टेट सिलेक्शन फिरे रेंटिंग सब जूनियर चेस चैंपियनशिप 2026 15 बॉयज एंड गर्ल्स' प्रतियोगिता होटल कल्चुरी रेसिडेंसी, में सप्ताहापूर्वक जारी है। तीसरे राउंड में ग्वालियर के अपूर्व गुप्ता ने जबलपुर के शुभ खत्री की अनुपस्थिति का लाभ मिला। बोर्ड 2 में कटनी के सत्यर्थ शर्मा ने जबलपुर के ओम भाटिया पर जीत दर्ज की। वहीं बोर्ड 3 में दमोह के समुद्र खरे और ग्वालियर की मान्या बंसल के

बीच मुकाबला हुआ रहा। बोर्ड 4 में सागर के रुद्रपाल गंग ने कटनी के अर्णव अटवाल को हराया। बोर्ड 5 में इंदौर के वेद नार ने ग्वालियर के देवर्ष गुप्ता को मात दी। बोर्ड 6 में देवास के युवराज अग्रवाल ने देवास के ही अभिराज सिंह तोमर को पराजित किया। बोर्ड 7 में ग्वालियर के जमीत साहनी ने भोपाल की नव्या वर्मा पर जीत हासिल की। इस टूर्नामेंट के मुख्य आर्बिटर (IA) यशपाल अरोड़ा हैं। तीसरे राउंड के बाद अब खिलाड़ियों के बीच शीर्ष स्थान के लिए मुकाबला बेहद रोचक हो गया है।

आरटीओ चालान की लिंक पर क्लिक करते ही मोबाइल हैक

जबलपुर, यश भारत। आधारताल थाना क्षेत्र में आरटीओ चालान के नाम पर भेजी गई लिंक साइबर ठगी का जरिया बन गई। लिंक पर क्लिक करते ही कृषि विश्वविद्यालय के कर्मचारी का मोबाइल हैक हो गया और कुछ ही देर में उनके बैंक खाते से तीन अलग-अलग ट्रांजेक्शन के जरिए 1 लाख 14 हजार रुपये दूसरे खातों में ट्रांसफर कर दिए गए। जवाहर नगर निवासी 48 वर्षीय गणेश प्रसाद विश्वकर्मा कृषि विश्वविद्यालय में सहायक श्रेणी ग्रेड-2 के पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि 17 सितंबर को कार्यालय में रहते समय उनके मोबाइल पर आरटीओ चालान से संबंधित एक लिंक प्राप्त हुई। उन्होंने जैसे ही लिंक पर क्लिक किया, इसके बाद मोबाइल में संदिग्ध गतिविधियां शुरू हो गईं। कुछ ही देर बाद उनके मोबाइल पर बैंक खाते से रकम निकलने के मैसेज आने लगे। उन्होंने तत्काल बैंक पहुंचकर अपना खाता सीज कराया, लेकिन तब तक ठग यूको बैंक के खाते से तीन अलग-अलग ट्रांजेक्शन में कुल 1 लाख 14 हजार रुपये अन्य खातों में ट्रांसफर कर चुके थे। घटना की शिकायत मिलने पर आधारताल पुलिस ने धारा 318(4) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ट्रांजेक्शन से जुड़े खातों और लिंक के स्रोत की जानकारी जुटा रही है।

बिजली विभाग के ऑपरेटर के साथ मारपीट, कार के कांच भी तोड़े

जबलपुर यशभारत। जिले के चरगावां थाना क्षेत्र के अंतर्गत बिजली विभाग में पदस्थ एक ऑपरेटर के साथ एक युवक ने न केवल मारपीट की बल्कि उसकी कार में भी तोड़फेंड़ किया। मौके पर युवक धमकाते हुए बाइक से भाग गया। बिजली कर्मचारी ने मामले की शिकायत थाने में दर्ज कराई। चरगावां पुलिस ने बताया कि हीरापुर गांव के रहने वाले तिवारी प्रसाद ठाकुर ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह ग्राम उमरिया डुंगरिया में बिजली विभाग में आपरेटर का कार्य करता है। वह ड्यूटी के लिये उमरिया डुंगरिया सब स्टेशन में काम पर आया था। शाम लगभग 6 बजे ड्यूटी के बाद अपनी बैगनार कार क्रमांक एमपी 20 जेडएन 8446 से अपने साथी नीलेश



तिवारी, दिनेश परस्ते को कार में बिठाकर अपने घर ग्राम हीरापुर वापस जा रहा था। ग्राम गंगई संध्या भवन के पास पहुंचे, तभी अचानक नुनपुर निवासी भारत गोठिया, जो उससे कई बार लाईट के संबंध में पूछताछ करने आया था, जो उसकी कार के सामने आकर उसे रोककर बोला कि गांव की लाईट क्यों बंद रहती है। यह कहते हुये जातिसूचक शब्दों का प्रयोग किया और अपशब्द करने लगा। गालियां देने से मना करने पर भरत गोठिया अपने हाथ में रखा अपना मोबाइल उसकी गाड़ी के सामने के कांच में मार दिया, जिससे उसकी गाड़ी का कांच टूट गया। उसके गाल में चांटा मार दिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज का उसकी तलाश शुरू कर दी है।

कोतवाली में सात लाख के जेवर चोरी, माढ़ोताल में परीक्षार्थियों का सामान पार

जबलपुर, यश भारत। शहर में चोरी की दो अलग-अलग घटनाएं सामने आई हैं। कोतवाली थाना क्षेत्र में अज्ञात चोर घर की अलमारी से करीब सात लाख रुपये कीमत के सोने-चांदी के जेवर ले गया। वहीं माढ़ोताल थाना क्षेत्र के ग्लोबल कॉलेज में परीक्षा देने पहुंचे अभ्यर्थियों के मोबाइल, पर्स, एटीएम कार्ड, दस्तावेज और नकदी चोरी हो गई। दोनों मामलों में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।



कोतवाली पुलिस के अनुसार पंजाब बैंक कॉलोनी निवासी 51 वर्षीय सौरभ सोनी ने शिकायत में बताया कि उनकी ससुराल सागर के मोहन नगर बड़ा बाजार में है। 20 अप्रैल को भतीजे की शादी के बाद उनकी पत्नी ने सोने-चांदी के जेवर अलमारी में रख लिए थे। 18 सितंबर को संतान सप्तमी के अवसर पर जेवर निकालने पर अलमारी में रखे गहने गायब मिले। इनमें

सोने की छह चूड़ियां, बेंदे, अंगूठी और दो चूड़े शामिल हैं। चोरी गए जेवरों की कीमत करीब सात लाख रुपये बताई गई है। पुलिस ने धारा 305(ए), 331(3) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया है।

परीक्षा देने पहुंचे अभ्यर्थियों का सामान चोरी

दूसरी घटना माढ़ोताल थाना क्षेत्र स्थित ग्लोबल कॉलेज की है। समदंडिया कॉलोनी निवासी 29 वर्षीय प्राची भोसले 24 सितंबर को इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड टीसीए आईओएन लैब की परीक्षा देने पहुंची थीं। उन्होंने अपना सैमसंग मोबाइल और सोने का लॉकेट एक्टिवा की डिक्की में रखा था। परीक्षा खत्म होने के बाद डिक्की खोली तो दोनों सामान गायब मिले। इसी दौरान आसपास खड़े अन्य परीक्षार्थियों के वाहन से भी मोबाइल, पर्स, एटीएम कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, आरसी और नकदी चोरी होने की जानकारी सामने आई। पुलिस ने धारा 303(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया है। कॉलेज परिसर और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालकर पुलिस अज्ञात आरोपी की तलाश कर रही है।

DATT SOLITAIRE

Opposite Singh Dharmkanta Near Gulati Petrol Pump, Madan Mahal, Nagpur Road, Jabalpur

फ्री होल जमीन पर 2, 3 & 4 BHK Flats Available CCTV से कवर्ड कैम्पस

● TNC approved ● Nagar Nigam Approved ● Rera Registration No. P-0TH-23-4101

● SBI & Other Banks Approved ● LIC Approved

कृपया एक बार अवश्य साइट विजिट करें For Booking Contact

Datt Builders

Office : Opp. Polytechnic College, Napier Town, Jabalpur

9300102463, 9300556000, 9300118111

लारी हार्ट केयर सेंटर

हैल्थी हार्ट्समिलन के लिए हार्ट डेटेंस रोग विशेषज्ञ

डॉ. आशीष तिवारी
MD, DM, FIPC, PDF
Interventional Cardiologist

पूरु कौशल: १००% की १००% उपचार, १००% की १००% उपचार, १००% की १००% उपचार

रजिस्ट्रार: १. एंजियोप्लास्टी २. एंजियोप्लास्टी ३. एंजियोप्लास्टी ४. एंजियोप्लास्टी ५. एंजियोप्लास्टी ६. एंजियोप्लास्टी ७. एंजियोप्लास्टी ८. एंजियोप्लास्टी ९. एंजियोप्लास्टी १०. एंजियोप्लास्टी

लारी हार्ट केयर सेंटर, एचआर चौक, जबलपुर- ५००००५ से ८ बजे तक | हेल्थी हार्ट्समिलन, अर्जित चौक, गिजमनगर, जबलपुर- ९ बजे से २ बजे तक

आयुष्मान कार्ड से ऑपरेशन की सुविधा उपलब्ध है!

अंतरा TPA / CGHS / ECHS / Railway / MP Police / सुविधा उपलब्ध

अप्रोइटेड (नंबर) के लिए संपर्क करें: कार्ड: ०९०९-१२०० बजे से शाम ४:०० बजे तक | ०७६१-३५५४८४ | Clinic: ९८९३३३६४३

डॉ. दीपक शुक्ला

MBBS, MD. Respiratory Medicine

खाँसी, अस्थमा, एलर्जी, वाइल अस्थमा, श्वसन एवं निद्रा रोग विशेषज्ञ

समय: दोप. १२.०० से शाम ६.०० बजे तक **संपर्क: 9343817176, 8878117888**

शॉप १७-२०, जी.डी. कॉम्प्लेक्स ग्राउण्ड फ्लोर, नेहरू गार्डन के सामने, पुरानी कृष्णा टॉकीज, नगर निगम रोड, जबलपुर

/// शहर में सबसे कम रेट पर ///

डिजिटल इको प्रिंट

Indoor & Outdoor Print Solution

हवाई क्वालिटी प्रिंटिंग

फास्ट डिलीवरी

बेहतरीन कलर क्वालिटी

बेस्ट क्वालिटी गारंटी

YASH BHARAT, SHATABDIPURAM, UKHARI CHOWK, JABALPUR

780 48 87888, 982 61 97492

केला चिप्स

चना जोर गरम

रोस्टेड फूड जंक्शन

रोस्टेड चना

रोस्टेड मूंग

नमकीन

चिक्की

ड्राई फ्रूट

जनता साईकिल के बाजू में, बड़ी ओपन चौक, जबलपुर

7987145201, 9993418910

100% सिलाई फ्री

सूट के कपड़े लेने पर

2401080

रॉयल रेमण्ड

रिशि एंड टेलर

ओ.सी.एम.

“रेमण्ड शर्ट पीस फ्री”

सिर्फ “500/ Rs.”

का पेंट पीस लेने पर

2401080

रूपाली

शो रूम

बड़ा फुहरा, जबलपुर